RNI: UPHIN/2015/60902

राजधानी से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

www.theachivertimes.com

द अचीवर टाइम्स

डाक पंजीयन संख्या
एस.एस.पी.एल.डब्लू/एन
पी.439/2015-2017

वर्ष : 9 अंक : 265
पृष्ठ : 8 मूल्य : 3 रुपया
लखनऊ, शुक्रवार, 19 जनवरी, 2024

गर्भगृह में विराजमान हुए प्रभु श्रीराम

मात्र छह इंच की है विराजमान रामलला की मूर्ति

एजेंसी

अयोध्या। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का विधिवत कर्मकांड बृहस्पतिवार को गणेश पूजन के साथ शुरू हो गया। शुभ मुहूर्त में दोपहर 1:20 बजे गणेश, अंबिका और तीर्थ पूजा की गई। इससे पहले 12:30 बजे रामलला की अचल मूर्ति को आसन पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विराजित कराया गया। पहले दिन करीब सात घंटे तक पूजन चला। मुख्य यजमान अशोक सिंहल फाउंडेशन के अध्यक्ष महेश भागचंदका रहे। काशी के आचार्य गणेश्वर द्रविड़ और आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित के निर्देशन में पूजन प्रक्रिया संपन्न कराई जा रही है। रामलला के अचल विग्रह को अभी ढक कर रखा गया है। आवरण 20 जनवरी को हटाया जाएगा। बृहस्पतिवार को ढकी मूर्ति का ही पूजन किया गया। रामलला के अचल विग्रह, गर्भगृह स्थल और यज्ञमंडप का पवित्र नदियों के जल से अभिषेक किया गया। पूजन के क्रम में ही राम मंदिर के गर्भगृह में रामलला का जलाधिवास व गंधाधिवास हुआ। उधर, रामलला के नवनिर्मित मंदिर में अचल विग्रह की स्थापना के साथ विराजमान रामलला को भी पूजित-प्रतिष्ठित किया जाएगा। राममंदिर के गर्भगृह में सोने के सिंहासन पर रामलला की 51 इंच की अचल मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जानी है। उनके सिंहासन के ठीक आगे विराजमान रामलला स्थापित होंगे। वे मंदिर में चल मूर्ति यानी उत्सव मूर्ति के रूप में पूजित होंगे। विराजमान रामलला की उपेक्षा के उठ रहे सवाल पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने साफ कहा है कि विराजमान रामलला मुकदमा जीते हैं। उन्हें कैसे हटाया जा सकता है नवनिर्मित गर्भगृह में वे भी प्रतिष्ठित किए जाएंगे। अचल विग्रह के ठीक आगे सिंहासन पर उन्हें भाइयों समेत विराजमान किया जाएगा। रोजाना उनकी पूजा, आरती होगी। अचल मूर्ति स्थापित होने के बाद हिल नहीं सकेगी, इसलिए विराजमान रामलला उत्सव मूर्ति के रूप में यहां प्रतिष्ठित रहेंगे। पर्व व त्योहारों पर इसी उत्सव मूर्ति के साथ शोभायात्रा भी निकाली जाएगी। चंपत राय ने बताया कि विराजमान रामलला आकार में बहुत छोटे हैं, ऐसे में भक्तों को ठीक से भगवान के दर्शन नहीं हो पाते थे। भक्तों की भावना को देखते हुए एक बड़ी मूर्ति बनाने का निर्णय लिया गया, ताकि रामलला के मुख मंडल का दर्शन भक्त ठीक तरह से कर पाएं। अचल मूर्ति 51 इंच की है। इसे चार फीट ऊंचे सिंहासन पर विराजमान किया जाएगा। इस तरह मूर्ति की कुल ऊंचाई करीब आठ फीट हो जाएगी। ऐसे में भक्त को सुलभ दर्शन प्राप्त हो सकेंगे।

अस्थायी मंदिर में रामलला चारों भाइयों समेत विराजमान हैं। विराजमान रामलला की मूर्ति मात्र छह इंच की है। रामलला इस मूर्ति में एक हाथ में लड्डू लिए हुए घुटने के बल पर बैठे हैं। भरत की मूर्ति भी छह इंच की है, जबकि लक्ष्मण व शत्रुघ्न की मूर्ति तो मात्र तीन-तीन इंच की है। गर्भगृह में हनुमान की भी दो मूर्तियां हैं, इनमें से एक मूर्ति पांच इंच की है। एक बड़ी मूर्ति लगभग तीन फीट की है। अधिवास वह प्रक्रिया है जिसमें मूर्ति को विभिन्न सामग्रियों में कुछ समय तक के लिए रखा जाता है। मान्यता है कि मूर्ति पर शिल्पकार के औजारों से आई चोट इससे ठीक हो जाती है। तमाम दोष खत्म हो जाते हैं। इसी क्रम में जलाधिवास के तहत अचल विग्रह को शास्त्रीय विधि से जल में रखा गया। शाम के समय गंधाधिवास हुआ। इसमें श्रीराम की मूर्ति पर सुगंधित द्रव्यों का लेपन किया गया। अनुष्ठान के क्रम में ही यज्ञमंडप की भी पूजा हुई। मंडपपूजा के क्रम में मंदिर के तोरण, द्वार, ध्वज, आयुध, पताका, दिक्पाल, द्वारपाल की पूजा की गई। वहीं, पांच वैदिक आचार्यों ने अनुष्ठान की कड़ी में ही चारों वेदों का पारायण भी शुरू कर दिया है, जिनका पारायण 21 जनवरी को होगा।

अरणिमंथन से आज प्रकट होगी अग्नि

शुक्रवार सुबह 9 बजे अरणिमंथन से अग्नि प्रकट होगी। उसके पूर्व गणपति आदि स्थापित देवताओं का पूजन, द्वारपालों द्वारा सभी शाखाओं का वेदपारायण, देवप्रबोधन, औषधाधिवास, केसराधिवास, घृताधिवास, कुंडपूजन, पञ्चभूसंस्कार होगा। अरणिमंथन द्वारा प्रकट हुई अग्नि की कुंड में स्थापना, ग्रहस्थापन, असंख्यात रुद्रपीठस्थापन व प्रधानदेवतास्थापन होगा। इसके अलावा राजाराम, भद्र, श्रीरामयंत्र, बीठदेवता, अङ्गदेवता, आवरणदेवता, महापूजा, वारुणमंडल, योगिनीमंडलस्थापन, क्षेत्रपालमंडलस्थापन, ग्रहहोम, स्थाप्यदेवहोम, प्रासाद वास्तुशांति, धान्याधिवास सायंकालिक पूजन एवं आरती होगी।

अलीगढ़ सहित यूपी के पांच शहरों में एटीएस का ऑफिस जल्द

अलीगढ़। अलीगढ़ में तीन मंजिला भवन बनकर तैयार हो गया है। अब तक एटीएस की स्थानीय यूनिट पुरानी पुलिस लाइन में एक कमरे में बैठकर संचालित होती है। मगर अब नए भवन में शिफ्ट होगी। जल्द तारीख तय कर इस भवन का शुभारंभ कराया जाएगा। इसमें पूरा कार्यालय संचालित होगा। शासन की मंशा के अनुसार प्रदेश में अलीगढ़ सहित पांच शहरों में एटीएस ऑफिस बनकर तैयार हो गए हैं और बहुत जल्द इनके शुभारंभ होंगे। आईजी शलभ माथुर ने यहां छेरत पुलिस लाइन के पास बनकर तैयार हुए नए भवन का जायजा लिया और जल्द शुभारंभ की तारीख तय कराने के निर्देश दिए हैं। शासन के निर्देश पर अलीगढ़, सहारनपुर, बहराइच, श्रावस्ती व मेरठ में एटीएस कार्यालय खोलना तय हुआ है। इसी क्रम में अलीगढ़ में तीन मंजिला भवन बनकर तैयार हो गया है। अब तक एटीएस की स्थानीय यूनिट पुरानी पुलिस लाइन में एक कमरे में बैठकर संचालित होती है। मगर अब नए भवन में शिफ्ट होगी। आईजी शलभ माथुर ने भी इस भवन का निरीक्षण कर जरूरी तैयारियों पर चर्चा की।

एक नज़र

26 जनवरी को पूरे देश में ट्रैक्टर परेड करेंगे किसानः राकेश टिकैत

16 फरवरी को भारत बंद का एलान

प्रयागराज। परेड मैदान में आयोजित किसान महापंचायत में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने गन्ना मूल्य 20 रुपये अधिक बढ़ाया है। इसके यूपी के गन्ना किसानों को निराशा हुई है। किसान 400 रुपए से अधिक गन्ना मूल्य घोषित होने की आशा कर रहा था। परेड मैदान में आयोजित भारतीय किसान यूनियन के चार दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन किसान महाकुंभ के अंतिम दिन बृहस्पतिवार को एक किसान महापंचायत का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद में स्थित क्रिया योग आश्रम के आचार्य योगी सत्यम ने भी हिस्सा लिया और सनातन धर्म के मार्ग पर किसानों को चलने के लिए प्रेरित किया। साथ ही साथ प्रयागराज अधिवेशन में किसानों की समस्याओं पर चर्चा की गई।

हवाई हमलों के बाद ईरान-पाकिस्तान में तनाव

बीजिंग। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में 16 जनवरी की रात ईरान ने हवाई हमले किए थे। ये हमले पाकिस्तान की सीमा में मौजूद ईरानी आतंकी संगठन जैश अल अदल पर किए गए थे। इन हवाई हमलों के बाद पाकिस्तान और ईरान के बीच तनातनी का माहौल है। हवाई हमलों के बाद पाकिस्तान ने ईरान के राजदूत को देश छोड़ने को कहा था और तेहरान में पाकिस्तान के राजदूत को वापस बुला लिया है। ड्रोन और मिसाइल से किए गए हमलों से बौखलाए पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई का दावा किया है। इसी बीच, भारत के पड़ोसी देश चीन ने पाकिस्तान और ईरान के बीच बढ़ रहे तनाव को कम करने के लिए मध्यस्थता करने की पेशकश की है। चीन ने दोनों देशों से उत्तेजित न होने, संयम और शांति बनाए रखने की बात कही है। गुरुवार को पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई के तहत सिएस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में सैन्य हमले किए, जिसमें 9 लोग की मौत हो गई है। दोनों देशों के बीच बढ़ रही दूरियों से चीन बेहद परेशान दिखाई दे रहा है।

अतीक-अशरफ हत्याकांड की जांच रिपोर्ट सदन में होगी पेश

उमेश पाल मर्डर केस से भी हटेगा पर्दा

एजेंसी

लखनऊ। प्रयागराज में राजू पाल हत्याकांड के गवाह उमेश पाल की दिनदहाड़े हत्या करने वाले चार शूटरों के एनकाउंटर और अस्पताल में माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या की न्यायिक जांच की रिपोर्ट गुरुवार को कैबिनेट में पेश की गयी। कैबिनेट ने दोनों न्यायिक आयोग की जांच रिपोर्ट को विधानसभा के पटल पर रखने की मंजूरी प्रदान कर दी है। फिलहाल दोनों रिपोर्ट में दिए तथ्यों और संस्तुतियों को सार्वजनिक नहीं किया गया है। बता दें कि उमेश पाल हत्याकांड में शामिल शूटर अरबाज और विजय चौधरी उर्फ उस्मान को प्रयागराज पुलिस ने 6 मार्च 2023 को मुठभेड़ में ढेर कर दिया था। जिसके बाद 13 अप्रैल को एसटीएफ ने झांसी के बड़ागांव क्षेत्र में अतीक के बेटे असद और शूटर मोहम्मद गुलाम को भी मुठभेड़ में मार गिराया था। तत्पश्चात 15 अप्रैल को राज्य सरकार ने हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति राजीव लोचन मेहरोत्रा की अध्यक्षता में दो सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग का गठन किया था। आयोग में पूर्व डीजी विजय कुमार गुप्ता को सदस्य बनाया गया था। आयोग ने बीते दिनों अपनी रिपोर्ट शासन को सौंप दी, जिसे गुरुवार को कैबिनेट के सामने पेश किया गया।

माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या की न्यायिक जांच रिपोर्ट भी कैबिनेट में पेश कर दी गयी है। उमेश पाल हत्याकांड में रिमांड पर लाए गये अतीक और अशरफ की प्रयागराज के अस्पताल परिसर में 15 अप्रैल को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। शासन ने इस मामले की जांच के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायमूर्ति दिलीप बाबा साहब भोंसले की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय न्यायिक आयोग बनाया था। आयोग में झारखंड उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायमूर्ति वीरेंद्र सिंह, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायमूर्ति अरविंद कुमार त्रिपाठी, पूर्व पुलिस महानिदेशक सुबेश कुमार सिंह और सेवानिवृत जिला जज बृजेश कुमार सोनी भी शामिल हैं। इस आयोग ने भी अपनी रिपोर्ट शासन को सौंप दी है, जिसे कैबिनेट में पेश करने के बाद विधानसभा के पटल पर रखने की मंजूरी प्रदान की गयी है।

रामलला प्राण प्रतिष्ठा को लेकर यूपी के डिप्टी सीएम ने विपक्ष पर साधा निशाना

राम द्रोही सरकार को जनता ने उखाड़ फेंका हैः केशव प्रसाद मौर्य

एजेंसी

नई दिल्ली। अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर तैयारी अंतिम चरण में है. उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से युद्धस्तर पर कार्य किए जा रहे हैं. सरकार की तरफ से चल रही तैयारियों को लेकर एनडीटीवी ने उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से बात की है. केशव प्रसाद मौर्य लंबे समय से मंदिर आंदोलन से जुड़े रहे हैं. ह्ष्ठञ्जङ्क से बात करते हुए मौर्य ने कहा कि साल 1983 से ही मैं इस आंदोलन से जुड़ा रहा हूं।

मंदिर आंदोलन को याद करते हुए यूपी के उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 1990 में राम भक्तों पर हुए गोलीकांड के बाद धीरे-धीरे जनता ने राम द्रोही सरकार को उखाड़ फेंका. लंबे संघर्ष के बाद 6 दिसंबर 1992 को विवादित ढांचा को गिराया गया. उन्होंने कहा कि मैं अपने आप को सौभाग्य वाला मानता हूं कि मैं इस पूरे आंदोलन का हिस्सा रहा हूं. लेकिन यह सबकुछ हनुमान जी की कृपा है. बजरंगबली ही सबकुछ करवा रहे थे.

विपक्षी राजनीतिक दलों पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि जो राजनीतिक रोग के शिकार हैं उन्हें भगवान राम के प्रति लोगों की आस्था समझ नहीं आएगी. वो हर चीज को राजनीतिक चश्मे से ही इसे देखेगा. मैं तो उनसे बस इतना कहूंगा कि जिन्हें भी निमंत्रण मिला है उन्हें इस कार्यक्रम में जरूर आना चाहिए. जो 22 जनवरी को आने से बच रहे हैं उन्हें देश देख रहा है और समझ रहा है. डिप्टी सीएम ने कहा कि जो लोग प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में नहीं जा रहे हैं क्या इफ्तार के निमंत्रण को भी इसी तरह से ठुकरा देते?

कांग्रेस पर हमला करते हुए मौर्य ने कहा कि उन्हें अपने अपने आप में झांकना चाहिए. कांग्रेस पार्टी ने भगवान राम को काल्पनिक बताया था। अब वो निमंत्रण को ठुकरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक बात साफ कर दूं कि यह निमंत्रण पत्र बीजेपी और उसकी सरकार की तरफ से नहीं भेजी गयी है. कोई एक आदमी भी नहीं कह सकता कि उसे निमंत्रण पत्र बीजेपी की तरफ से आया है. विपक्षी दल तुष्टिकरण की राजनीति के कारण कार्यक्रम में नहीं आ रहे हैं. बीजेपी के लिए यह आस्था की बात है विपक्षी दल इसे वोट बैंक बना रहे हैं. विपक्षी दल कार्यक्रम में नहीं आकर गलती कर रहे हैं। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि एक बात में साफ कर दूं कि भगवान श्रीराम हिंदुओं के भगवान हैं और मुसलमानों के पूर्वज हैं. इसे अलग-अलग कर के इसे देखने की जरूरत नहीं हैं. इसे अलग-अलग कर के देखने की जरूरत नहीं है. देश में लोग एकजुट हैं।

मस्जिद कब बनेगा?

मस्जिद के मुद्दे पर पूछे गए सवाल पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मंदिर या मस्जिद सरकार की तरफ से नहीं बनाए जा रहे हैं। जिस ट्रस्ट को बनाना था उसने बनाकर दिखा दिया है। जब उनसे पूछा गया कि क्या आप चाहेंगे कि मस्जिद भी बने तो उन्होंने कहा कि यह मेरा काम नहीं है। मैं राम भक्त हूं। मुझे बस इस बात का गर्व है कि मैं मंदिर आंदोलन में शामिल रहा हूं।

पीएम मोदी का 11 दिन का कठोर उपवास

राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा से पहले 11 दिन सात्विक भोजन, जमीन पर सोएंगे पीएम मोदी

Image credit: twitter.com/narendramodi

एजेंसी

नई दिल्ली। अयोध्या में लंबे इंतजार के बाद राम मंदिर लगभग बनकर तैयार है. श्रीरामलला बरसों तक टेंट में रहें. फिर कांच और लकड़ी के बने अस्थाई मंदिर में शिफ्ट हुए. अब प्रभु श्रीराम अपने मंदिर में विराजमान होने जा रहे हैं. 22 जनवरी को पूरे विधि-विधान के साथ मंदिर का उद्घाटन और प्राण प्रतिष्ठा होगी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 जनवरी को मुख्य यजमान बनकर श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान पालन करेंगे. इस अनुष्ठान से पहले पीएम मोदी ने 11 दिनों का उपवास रखा है. उपवास के तहत पीएम मोदी यजमान के नियमों का कठोरता के साथ पालन कर रहे हैं। राम मंदिर के उद्घाटन और श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए अनुष्ठान 16 जनवरी से शुरू हो चुके हैं. लेकिन पीएम मोदी का सात्विक उपवास 12 जनवरी से शुरू हुआ है. 11 दिनों का यह उपवास स्वयं को शुद्ध करने की एक प्रक्रिया है. इस दौरान वह खास दिनचर्या अपनाएंगे. पीएम मोदी सात्विक भोजन पर हैं. वो सिर्फ फल खा रहे हैं. और नारियल का पानी पी रहे हैं।

यही नहीं, 11 दिनों के अनुष्ठान के लिए पीएम मोदी ने बिस्तर का भी त्याग किया हुआ है. वो जमीन पर कंबल बिछाकर सो रहे हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्राण प्रतिष्ठा के दिन पूर्ण व्रत रखेंगे. इस दौरान वह विशिष्ट मंत्रों का जाप करेंगे.

अयोध्या के राम मंदिर में 22 जनवरी को दोपहर 12:30 बजे श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यजमान बनकर अनुष्ठान की सभी विधि को करेंगे. इस मौके पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत 6000 दिग्गज शामिल होंगे. इनमें 4000 साधु-संत भी शामिल हैं।

राम मंदिर के उद्घाटन और श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए अनुष्ठान 16 जनवरी से शुरू हो चुके हैं। लेकिन पीएम मोदी का सात्विक उपवास 12 जनवरी से शुरू हुआ है। 12 जनवरी से पीएम मोदी सात्विक भोजन पर हैं। वो सिर्फ नारियल का पानी पी रहे हैं। यही नहीं, 11 दिनों के अनुष्ठान के लिए पीएम मोदी ने बिस्तर का भी त्याग किया हुआ है।

7 दिन तक चलेगा प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम

- अयोध्या के राम मंदिर में 22 जनवरी को रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम 7 दिन तक चलेगा।
- 16 जनवरी को मंदिर ट्रस्ट, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की तरफ से नियुक्त किए गए यजमान प्रायश्चित समारोह की शुरुआत हुई।
- 17 जनवरी को 5 साल के रामलला की मूर्ति के साथ एक काफिला अयोध्या पहुंचा. रामलला की मूर्ति गर्भगृह में लाई गई।
- 18 जनवरी को गणेश अंबिका पूजा, वरुण पूजा, मातृका पूजा, ब्राह्मण वरण और वास्तु पूजा के साथ औपचारिक अनुष्ठान शुरू हुए. आज पीएम मोदी ने राम मंदिर पर 6 विशेष डाक टिकट भी जारी किए।
- 19 जनवरी को पवित्र अग्नि जलाई जाएगी. नवग्रह की स्थापना और हवन किया जाएगा।
- 20 जनवरी को राम जन्मभूमि मंदिर के गर्भगृह को सरयू जल से धोया जाएगा, जिसके बाद वास्तु शांति और अन्नाधिवास अनुष्ठान होगा।
- 21 जनवरी को रामलला की मूर्ति को 125 कलशों के जल से स्नान कराया जाएगा.
- 22 जनवरी की सुबह की पूजा के बाद दोपहर में मृगशिरा नक्षत्र में रामलला के मूर्ति का अभिषेक किया जाएगा।

अयोध्या में लौटा त्रेता युग

प्राण प्रतिष्ठा से पहले अयोध्या नगरी राममय हो गई है। हर जगह जय श्रीराम-सीताराम की गूंज है। अयोध्या के हर घर, हर दुकान, हर प्रतिष्ठान में राम-राम के जयकारे सुने जा सकते हैं। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में अयोध्या त्रेता युग की तर्ज पर बदल रही है। रामपथ की दुकानों पर राम ध्वज लहरा रहे हैं। रामघाट से अयोध्या में प्रवेश करते समय एक होर्डिंग दिवाली समारोह की याद दिलाती है। रामभजन और रामायण से जुड़े गीत जब हवा में गूंजते हैं, तो रामभक्तों के दिलों में उत्साह पैदा करते हैं।

स्पा सेंटर में हो रही थी जिस्मफरोशी

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्वी और शाहदरा जिला में दो अलग-अलग जगहों पर जिस्मफरोशी का धंधा किया जा रहा था। शाहदरा में स्पा सेंटर की आड़ में धंधा किया जा रहा था। पुलिस ने नकली ग्राहक भेजकर इस पूरे रैकेट का खुलासा किया। यहां से एक युवती समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। वहीं लक्ष्मी नगर के एक मकान में जिस्मफरोशी कराई जा रही थी। सूचना के बाद पुलिस ने यहां छापेमारी की। पुलिस को यहां चार महिलाएं व तीन व्यक्ति मिले। पुलिस ने महिलाओं को पूछताछ के बाद छोड़ दिया जबकि तीनों लोगों को गिरफ्तार कर लिया। एक आरोपी इसी तरह की गतिविधियों में पहले भी शामिल रहा है। शाहदरा जिला के पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि 15 जनवरी को स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर विकास कुमार व अन्य की टीम को अवैध धंधे की खबर मिली थी। फौरन एक नकली ग्राहक को कड़कड़डूमा कम्युनिटी सेंटर, आशीष टावर में भेजा गया। यहां पर स्पा नाऊ करके सेंटर था। नकली ग्राहक ने बातचीत की। मसाज के एक हजार रुपये बताए गए। बाद में जिस्मफरोशी के नाम पर एक हजार रुपये अतिरिक्त की डिमांड की गई। नकली ग्राहक का इशारा मिलने पर पुलिस की टीम ने वहां से आनंद विहार निवासी मदन कुमार (30) को दबोच लिया। इसके अलावा एक युवती को भी गिरफ्तार कर लिया। मदन स्पा सेंटर में मैनेजर का काम करता था। दूसरे मामले में लक्ष्मी नगर थाना पुलिस को सूचना मिली कि गली नंबर-2, डी-ब्लॉक के एक मकन में जिस्मफरोशी कराई जा रही है। वहां भी एक नकली ग्राहक भेजा गया। नकली ग्राहक का इशारा मिलने पर पुलिस ने वहां छापेमारी की। वहां चार महिलाएं जिस्मफरोशी में लिप्त मिलीं। इनको पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। वहां मौजूद प्रदीप उर्फ राहुल (47), राहुल कौशिक उर्फ लक्की (41) और साहिल खान (22) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी प्रदीप पहले भी इसी तरह की वारदातों में शामिल रहा है। वहीं राहुल कौशिक के खिलाफ मारपीट और सट्टे का मामला पहले से दर्ज हैं। जांच के दौरान पता चला है कि 20-22 दिन से यहां अवैध धंधा चल रहा था।

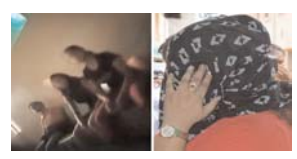

सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर राष्ट्रीय सैनिक संस्था निकालेगी जय हिंद तिरंगा यात्रा

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। कल राष्ट्रीय सैनिक संस्था इकाई के तत्वावधान में पश्चिम उत्तर प्रदेश की महिला ब्रिगेड की अध्यक्षा सुमन त्यागी के नेतृत्व में आगामी 23 जनवरी 2024 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर जय हिंद तिरंगा यात्रा कार्यक्रम मनाने के लिए एक प्रेस वार्ता की गई। जिसमे सुमन त्यागी ने बताया कि जय हिंद तिरंगा यात्रा भगवती गंज पक्का बाग से प्रारंभ होकर अमर शहीद मेजर आशाराम त्यागी चौक पक्का बाग से होते हुए अतरपुरा चौराहा, तहसील चौराहा, फ्री गंज रोड एवं रेलवे रोड होते हुए नगर पालिका कार्यलय स्थित शहीद स्तम्भ पर पुष्पांजलि अर्पित कर जय हिंद तिरंगा यात्रा समापन किया जायेगा रास्ट्रीय सैनिक संस्था के रास्ट्रीय अध्यक्ष कर्नल तेजेन्द्र पाल त्यागी(वीर चक्र) एवं रास्ट्रीय सैनिक संस्था के शिक्षा विंग के राष्ट्रीय संयोजक मेजर सुशील गोयल करेंगे। प्रदेश प्रवक्ता व जिला अध्यक्ष ज्ञानेंद्र त्यागी ने बताया जय हिंद तिरंगा यात्रा का मुख्य आकर्षण उत्तरकाशी सुरंग आपदा बचाव दल (रेट माइनर) के 6 सदस्य शामिल होंगे तथा जिला सचिव मुकेश प्रजापति ने बताया कि इस जय हिंद तिरंगा यात्रा में कई किसान संगठन भी शामिल होंगे और जिला अनुशासन सचिव गुलशन त्यागी ने जानकारी दी कि जय हिंद तिरंगा यात्रा को बेहद ही शालीनता एवं अनुशाषित तरीके से निकाला जाएगा महिला बिग्रेड की जिला सचिव प्राची खुल्लर ने बताया कि तिरंगा यात्रा में शहर के वातावरण को शुद्ध करने के लिए बच्चो व महिलाओं के द्वारा हवन भी किया जाएगा एवं गाजियाबाद जनपद के जिला अध्यक्ष ज्ञान सिंह के नेतृत्व में की महिला विंग की सदस्या टीम भी शामिल रहेगी । प्रेस वार्ता में पश्चिम उत्तर प्रदेश महिला बिग्रेड की उपाध्यक्ष मुनेश त्यागी, वरिष्ठ प्रशासनिक सदस्य दीपिका त्यागी, युवा कमांड के जिला सचिव गौरव त्यागी, भाकियू (अराजनैतिक) के सलाहकार सुधीर त्यागी , युवा तहसील अध्यक्ष शैंकी त्यागी, भाकियू (भानु) के राष्ट्रीय महासचिव सुधीर त्यागी मौजूद रहे।

थाना पाली क्षेत्र में हुई 03 चोरी की घटनाओं का पुलिस ने किया खुलासा 04 शातिर चोरों को किया गिरफ्तार

द अचीवर टाइम्स निशांत शुक्ला

हरदोई। अपराध नियंत्रण व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी/पूर्वी के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी शाहाबाद के कुशल नेतृत्व में थाना पाली पुलिस टीम द्वारा दिनांक 15/16.01.2024 की रात्रि में मोबाइल की दुकान व चाय की दुकान से हुई चोरी व 04 माह पूर्व ग्राम मलिकापुर थाना पाली में हुई चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए 04 शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी के मोबाइल फोन, चार्जर, डाटाकेबल व मोबाइल उपकरण (कीमत करीब 07 लाख), पायल, बर्तन व 02 अवैध शस्त्र व कारतूस बरामद किए गए ।पुलिस अधीक्षक हरदोई द्वारा इस चोरी की घटना का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए घटना के सफल अनावरण हेतु टीमों को गठित कर लगाया गया था, पाली पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच/विवेचना के दौरान तमाम पहलुओं की गहनता से जांच की गयी एवं माल की बरामदगी व अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु मुखबिरों को मामूर किया गया, इसी क्रम में आज थाना पाली पुलिस टीम द्वारा रामलीला चौराहे कस्बा पाली में संदिग्ध व्यक्ति/वाहन चैकिंग में मामूर थी कि मुखबिर की सूचना पर कस्बा पाली से निजामपुर पुलिया की तरफ से आ रहे चार व्यक्तियों को समय पकड लिया गया। पकडे गये व्यक्तयों से नाम व पता पूछने पर उनका नाम 1. फुरकान पुत्र सादिर अली उम्र करीब 22 वर्ष निवासी मोहल्ला आबिदनगर थाना पाली 2. नाजिर अली उर्फ राजा पुत्र छोटे शेख उम्र करीब 26 वर्ष निवासी मोहल्ला काजी सराय थाना पाली 3. साहिब पुत्र सैबू पुत्र आमिर उम्र करीब 19 वर्ष निवासी मोहल्ला आबिदनगर थाना पाली 4. फरमान खान पुत्र रफीक खान उम्र करीब 18 वर्ष निवासी मोहल्ला काजी सराय थाना पाली ज्ञात हुआ व उनकी जामातलाशी में 51 मोबाइल फोन, 65 चार्जर, 135 मोबाइल टेंपर्ड, 46 डाटा केबल, दो जोडी पायल, बर्तन व अभियुक्त फुरकान एवं नाजिर अली के कब्जे से दो अवैध तमंचे 315 बोर व 02 जिंदा कारतूस बरामद हुये ।पुलिस टीम द्वारा अभियुक्तों से बरामद सामान के संबंध में कडाई से पूछताछ करने पर ज्ञात हुआ कि चारों अभियुक्तों द्वारा दिनांक 15/16.01.24 की रात में कस्बा पाली स्थित मोबाइल फोन की दुकान में दीवार में सेंध लगाकर दुकान से मोबाइल फोन व मोबाइल उपकरण एवं उसी रात कस्बा पाली में एक चाय के खोखे की दुकान का ताला तोडकर उसमें से बर्तन चोरी कर ले गये थे जिसके संबंध में क्रमशः थाना पाली पर मु0अ0सं0 19/24 धारा 457/380 भादवि0 व मु0अ0सं0 20/24 धारा 457/380 भादवि0 पंजीकृत है। दिनांक 13.09.2023 की रात्रि में ग्राम मलिकापुर थाना पाली में 06 घरों में चोरी की गई थी उस चोरी की घटना में से पायल आदि सामान चोरी में मिले थे जिसमें से 02 जोडी पायल आज बरामद हुआ है शेष सामान अंजान व्यक्तियों को बेचकर अर्जित रुपये खर्च कर दिये गये है। (जिसके संबंध में थाना पाली पर मु0अ0सं0 353/23 धारा 380 भादवि0 पंजीकृत है।) एवं 02 अभियुक्तों के कब्जे से बरामद अवैध शस्त्रों के संबंध में थाना पाली पर आर्म्स एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

एक नज़र

22/जनवरी को प्रस्तावित भगवान श्रीराम जी की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के तहत सफाई अभियान

द अचीवर टाइम्स पप्पू उपाध्याय

कटनी। दिनांक 16/01/2024 से 21/01/ 2024 तक प्रदेश के सभी कार्यालय में विशेष सफाई अभियान चलाए जाने हेतु निर्देशित करने पर आज दिनांक 18/01/2024 को पुलिस अधीक्षक कटनी अभिजीत कुमार रंजन, रक्षित निरीक्षक कटनी, संध्या राजपूत, थाना प्रभारी कोतवाली आशीष शर्मा, द्वारा पुलिस लाइन कटनी में स्टाफ के साथ साफ सफाई की गई, इसके अतिरिक्त जिले के थानों में भी आज दिनांक को साफ सफाई एवं मालखानो की साफ-सफाई थाना स्लीमनाबाद में थाना प्रभारी अखिलेश दाहिया एवं एसडीओपी द्वारा की गई है।

कटनी पुलिस अधीक्षक ने लगाया जन शिकायत निवारण शिविर : 63 सीएम हेल्पलाइन एवं जन शिकायतों को संतुष्टीप्रद किया निराकरण

द, अचीवर टाइम्स पप्पू उपाध्याय

मध्य प्रदेश, कटनी। कटनी पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन ने गुरुवार को एसपी कार्यालय परिसर में जन शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया। जिसमें सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों सहित अन्य जन शिकायतों की सुनवाई कर उनके त्वरित निराकरण करायें गये।

पुलिस अधिकारियों ने सुनी शिकायतें

शिविर में पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन, सहित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज केडिया, सीएसपी कटनी ख्याति मिश्रा, एसडीओपी स्लीमनाबाद अखिलेश गौर, थाना प्रभारी कोतवाली, थाना प्रभारी कुठला, थाना प्रभारी एनकेजे, थाना प्रभारी रंगनाथ नगर एवं शहर के समस्त चौकी प्रभारी मौजूद रहे। जिन्होंने 76 शिकायतकर्ताओं की विभिन्न शिकायतें जिनमें घरेलू - जमीन संबंधी विवाद, पैसों के लेन-देन, सायबर क्राइम संबंधी सहित अन्य शिकायतों को सुना गया। साथ ही मौके पर ही 63 शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण भी किया है।

थाना प्रभारी समयावधि में शिकायतों का करायें निराकरण: पुलिस अधीक्षक

पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि थाना स्तर पर प्राप्त शिकायतों एवं सी.एम. हेल्पलाईन की शिकायतों त्वरित निराकरण किया जावे एवं जो शिकायतें लंबे समय से लंबित चल रही उनका त्वरित निराकरण करते हुए अवगत करायें, साथ ही गंभीर शिकायतें प्राप्त होने पर अवगत कराते हुए वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जावे।

दादा रमैया कुट्टी में श्रीमद् भागवत कथा का चल रहा भव्य आयोजन

द अचीवर टाइम्स पप्पू उपाध्याय

मध्य प्रदेश,कटनी। बहोरीबंद जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत राखी स्थित श्री दादा रमैया बाबा कुटी में श्री श्री 108 श्री बनवारी दास जी महाराज के नेतृत्व में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन चल रहा है जिसके कथा वाचक पंडित रमाकांत पौराणिक के मुखारविंद से भगवान की लीलाओं का वर्णन भक्त श्रद्धालुओं के बीच बखान किया जा रहा है संगीत में श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करते भक्त श्रद्धालु गण बेहद भक्ति रस में डूबे हुए हैं जो श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 22 जनवरी तक चलेगा जो अयोध्या में भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा का भी भव्य अवसर पर समावेश होगा जिस पल का भक्तगण भगवान श्री राम के आगमन का बेसब्री से इंतजार कर रहे,, चल रहे श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन पर महत्वपूर्ण योगदान ग्राम पंचायत राखी सरपंच नम्रता आकाश नायक एवं उनकी मित्र मंडली द्वारा किया जा रहा है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में सांसद ने किया कार्यक्रम

पसगवां खीरी। लखीमपुर खीरी की तहसील मोहम्मदी क्षेत्र के बरबर क्षेत्र की ग्राम पंचायत सेमराजानीपुर में दिनांक 18 जनवरी 2024 को कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विकसित भारत संकल्प यात्रा स्तरीय कार्यक्रम में सांसद पुत्र अनिमेष पटेल ने बताया कि महिलाओं के लिए हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उज्जवला गैस सिलेंडर महिलाओं को वितरित किये गये है इसलिए,माननीय रेखा वर्मा के नेतृत्व में कार्यक्रम में सांसद रेखा वर्मा ने बताया की हमारी माता बहनों के लिए हमारी सरकार की बहुत सी योजनाएं है ।

बरवर कान्हा गौशाला का किया निरीक्षण

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी । नगर पंचायत बरवर कान्हा गौशाला का अध्यक्ष संजय शर्मा एवं अधिशासी अधिकारी सपना भारद्वाज ने किया निरीक्षण।अभी हाल ही में स्छरू मोहम्मदी ने कान्हा गौशाला का निरीक्षण किया था, जिसमें कर्मचारियों के लापरवाही के चलते गौशाले के अंदर अनियमिताएं पाई गई थी जिसको लेकर वहां पर मौजूद कर्मचारियों को हटाकर दूसरे कर्मचारियों को रखने के लिए अधिशासी अधिकारी सपना भारद्वाज को निर्देशित किया था। नगर पंचायत अध्यक्ष संजय शर्मा व अधिशासी अधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए गौशाला का आज औचक निरीक्षण किया वहां पर मौजूद सभी कर्मचारियों को हटाकर नए कर्मचारियों की नियुक्ति कर दी गई है जो भी कमियां थी उनको दुरुस्त कर दिया गया है। बहीं बरवर नगर पंचायत अध्यक्ष संजय शर्मा ने बहाँ पर मौजूद कर्मचारियों से सख्त लहजे में कहा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसलिए अपने काम को जिम्मेदारी से निभाएं।इस मौके पर बरवर नगर पंचायत के सभी वार्ड सभासदगंण व कंप्यूटर ऑपरेटर शोभित गुप्ता मौजूद रहे।

संगठन का हुआ विस्तार जिला उन्नाव अध्यक्ष उन्नाव का हुआ चयन

महाराजा लाखन पासी स्वाभिमान समिति उन्नाव से प्रमोद कुमार पासी बनाए गए जिला अध्यक्ष

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

हसनगंज (उन्नाव)। 164-मोहान विधानसभा अध्यक्ष अजय कुमार रावत, सामाजिक कार्यकर्ता बाबूलाल रावत व सर्वेश कुमार रावत के तत्वावधान में महाराजा लाखन पासी स्वाभिमान समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मोहनलाल पासी के निर्देशानुसार मोहान में स्थित बाबा बिहारी दास मन्दिर प्रांगण में कार्यक्रम का हुआ आयोजन। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष का हुआ आगमन जिसमें संगठन के पदाधिकारियों के सहयोग व सहमती से प्रमोद कुमार पासी को उन्नाव जिला अध्यक्ष बनाया गया। संगठन के अध्यक्ष व प्रदेश अध्यक्ष अन्य कार्यकर्ताओं ने फूलों का हार पहनाकर नव निर्वाचित अध्यक्ष का किया जोरदार स्वागत। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने संगठन के प्रति पूरी निष्ठा व पूरी इमानदारी से निर्वाहन करने का संगठन के सभी पदाधिकारियों को दिलाया भरोसा। **इन्सेंट-** राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मोहनलाल पासी व प्रदेश अध्यक्ष डी.पी. रावत ने सामाजिक एकता समता समानता बन्धुता की बात करते हुए शिक्षा पर जोर दिया और युवाओं को नशामुक्त जीवन जीने की राय दी। लखनऊ का नाम बदले जाने वाले फरमान को लेकर समाज व संगठन के लोगों ने जताया विरोध। अध्यक्ष ने कहा हमारे पूर्वज रजवाड़े पासी राजा महाराजा हुआ करते थे अगर बदलना ही है तो उनके नाम पर कर दो।

बहादुरगढ़ थाने के टॉप-10 हिस्ट्रीशीटर अपराधी सहित 3 शातिर लोग गिरफ्तार

हापुड़। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देश अनुसार जनपद में अपराध की रोकथाम एवं आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत थाना बहादुरगढ़ पुलिस के उप निरक्षक मनवीर सिंह, उप निरक्षक वरुण कुमार सिंह व उप निरक्षक जितेंद्र कुमार ने पुलिस टीम के साथ मिलकर चैकिंग के दौरान थाने के टॉप-10 हिस्ट्रीशीटर अपराधी सहित 3 शातिर अभियुक्त दीन मोहम्मद उर्फ दीनू हाल पता ग्राम शहाबाजपुर थाना गजरौला जनपद अमरोहा व इमरान व वसीम दोनों निवासी मोहल्ला कुरेशियान कस्बा व थाना बहादुरगढ़ को आलमनगर शेरपुर मार्ग से गिरफ्तार किया है जिनके कब्जे से अवैध असलहा मय कारतूस व एक अवैध चाकू बरामद हुआ है उपरोक्त गिरफ्तारी व बरामद की के संबंध में थाना बहादुरगढ़ पर अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधि कार्रवाई की गई।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत वर्ष 2028 तक अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को नि:शुल्क खाद्यान वितरण कराया जायेगा: जिलाधिकारी

❖ प्राप्त शिकायतों पर संबंधित विरुद्व दण्डात्मक कार्यवाही करें: मंगला प्रसाद सिंह

द अचीवर टाइम्स निशांत शुक्ला

हरदोई। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने अवगत कराया है कि भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत जनपद के अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्ती कार्ड धारकों एवं वन नेशन वन राशन कार्ड योजना के लाभार्थियों को भी 01 जनवरी 2024 से 31 दिसम्बर 2028 तक वर्ष हेतु नि:शुल्क गेहूं, चावल के साथ बाजरा का वितरण कराया जायेगा। इस सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिये है कि उक्त योजना का व्यापक प्रचार-प्रसाद अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कोटेदारों के माध्यम से लाभार्थियों तक पहुंचायें और लोगों को जागरूक करने हेतु प्रत्येक राशन की दुकान पर आगामी पांच वर्ष तक भारत सरकार की महात्वाकांक्षी नि:शुल्क खाद्यन वितरण योजना के सम्बन्ध में बैनर लगवायें। उन्होने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिये है कि शिकायत निवारण के संबंध में क्रियाशील कॉलसेन्टर एवं टोल फ्री नम्बर-1967 तथा 1800-1800-150 का सुचारू रूप से क्रियान्वयन करायें और शिकायत प्राप्त होने पर सम्बन्धित के विरूद्व दण्डात्मक कार्यवाही करें।

नुमाइश देखने आई महिला का जेवर से भरा झोला हुआ दुकान से गायब पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत जांच में जुटी पुलिस

सीतापुर। सीतापुर के इलाहाबाद बैंक की मुख्य ब्रांच के पास फील्ड में नुमाइश देखने आई महिला का जेवर से भरा झोला चोरी होने का मामला सामने आया है जिसकी शिकायत पीड़िता ने कोतवाली नगर पुलिस से की है।शिकायत करने के बाद पुलिस ने मामले की जांच करने का आश्वासन पीड़िता को दिया है।आपको बता दें कि कोतवाली नगर के अंतर्गत इंडियन बैंक के पास नुमाइश का मेला चल रहा है जहां पर एक महिला शॉपिंग करने आई थी जिस दुकान पर वह खरीदारी करने के लिए गई थी वहीं उसकी दुकान पर महिला का बैग छूट गया, महिला के अनुसार उस झोले में उसके क़ीमती जेवरात थे जो वह अपने भाई की गोदभराई के लिए लेकर जा रही थी कि इसी बीच वह नुमाइश में लगी दुकानों पर शॉपिंग करने के लिए गई और दुकान पर उसका झोला छूट गया।

पीएम अवार्ड तथा नेशनल अवार्ड फ़ॉर ई गवर्नेंस के संबंध में हुई बैठक

द अचीवर टाइम्स निशांत शुक्ला

हरदोई। विकास भवन स्थित स्वर्ण जयंती सभागार में मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी की अध्यक्षता में 12 सेक्टर में पीएम अवार्ड तथा नेशनल अवार्ड फ़ॉर ई गवर्नेंस के संबंध में बैठक हुई। मुख्य विकास अधिकारी ने 12 क्षेत्रों में संबंधित अधिकारियों को जिले की उप्लब्धयों से संबंधित रिपोर्ट प्रेषित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समन्वय हेतु किये गए प्रयासों व नवाचारों का भी उल्लेख किया जाए। पारदर्शिता के लिए किए गए प्रयासों को भी उल्लिखित किया जाए। उपलब्धियों से संबंधित फोटो व वीडियो भी संकलित किये जायें। वीडियो समावेशी व उच्च गुणवत्तापूर्ण हों। इस अवसर पर उपनिदेशक कृषि व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

फटकार के साथ अनुपस्थित खनन अधिकारी व अधिशसी अधिकारी हापुड़ को डीएम ने कारण बताओ नोटिस जारी करने के दिए निर्देश

❖ सीएम डैशबोर्ड पर जनपद की ४४ रैंकिंग को लेकर के जिलाधिकारी ने बैठक की

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा ने सीएम डैसबोर्ड पर राजस्व मे जनपद की 44वी रैंकिंग प्राप्त होने पर वसूली तथा प्रवर्तन कार्यवाई मे तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि योजनाओं की रियल टाइम मॉनिटरिंग के लिए स्थापित सीएम डैसबोर्ड पर राजस्व से जुड़े किसी भी विभाग की रैंकिंग खराब न आने पायें साथ ही राजस्व की रैंकिंग मंडल और प्रदेश स्तर पर बेहतर रहनी चाहिये व बाट माप अधिकारी से पैट्रोल पम्प के सत्यापन को निर्धारित समय के भीतर करने के निर्देश दिया और बिना अनुमति के अनुपस्थित रहने पर खनन अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिया। इसके अलावा अधिशसी अधिकारी हापुड़ को भी कारण बताओ नोटिस के साथ व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय करने को कहा। सभी अधिकारी अपने स्तर पर माह के अन्त मे आवेदन पत्र के लम्बित को शून्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी विभाग के कारण यदि जिले की रैंकिंग खराब होती है तो सम्बंधित अधिकारी के सेवा पुस्तिका मे दर्ज किया जायेगा। इसके अलावा विभागीय अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए आगामी माह में श्रेणी ए में हर हालत में लाने के निर्देश दिए और जिन विभागों का आईजीआरएस और जनसुनवाई मे खराब स्थिति है वह शिकायतों का त्वरित तथा गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करायें साथ ही बार बार की जाने वाली शिकायतों स्पेशल क्लोज कराया जाना सुरक्षित करें। उन्होने सख्त निर्देश दिया की यदि इस माह खराब रैंकिंग प्राप्त होती है तो संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय करते हुए कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी न्यायिक ज्योत्सना बंधु, उप जिलाधिकारी हापुड़, जिला पूर्ति अधिकारी, जिला आबकारी अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जिन किसानों ने अभी तक ईकेवाईसी नही करवाई है तत्काल करायें: जिलाधिकारी

❖ गोसंरक्षण के संबंध में मोबाइल- 8765957923 या 05852-796197 पर कॉल करें: एम0पी0सिंह

द अचीवर टाइम्स निशांत शुक्ला

हरदोई। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री जी के लाभार्थियों से संवाद का सीधा प्रसारण किया गया। देश के विभिन्न हिस्सों से जुड़े लाभार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए। जिला स्तरीय कार्यक्रम में किसानों ने जिलाधिकारी के समक्ष विभिन्न समस्याएं रखी जिनके निस्तारण के निर्देश उन्होंने संबंधित अधिकारियों को दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि समस्याओं का निस्तारण कर रिपोर्ट प्रेषित की जाए। अगले किसान दिवस से पूर्व समस्याओं का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। डीएसओ की बैठक में अनुपस्थिति पर डीएम ने एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए। सण्डीला तहसील के एक ग्राम में आरआरसी सेन्टर को लेकर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी को तत्काल भूमि का चिन्हीकरण करने व भूमि पर अवैध कब्जों को हटाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि किसान सम्मान निधि के जिन लाभार्थियों ने अभी तक ईकेवाईसी नही करवाई है, जल्द करवा लें। गोसंरक्षण के संबंध में चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि गोसंरक्षण के लिए कंट्रोल रूम नम्बर 8765957923 (मोबाइल), 05852-796197 (लैंडलाइन) पर कॉल कर सकते हैं। प्रत्येक नगर पालिका व विकास खण्ड में कैटल कैचर उपलब्ध हैं। ऑपरेशन त्रिनेत्र की चर्चा करते हुए कहा कि ग्रामों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की प्रक्रिया चल रही है इसके बाद ग्रामों में निगरानी करने में आसानी रहेगी। किसान दिवस में डीएफओ, अधीक्षण अभियंता विद्युत, डीडी कृषि, जिला सूचना अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी सहित भारी सख्या में किसान उपस्थित रहे।

यूपी में सेमी कंडक्टर नीति को मिली मंजूरी, CM योगी कैबिनेट की बैठक में लगी मुहर, देश का चौथा राज्य बना

संवाददाता

लखनऊ। गोरखपुर के मुंडेरा बाजार नगर पंचायत के नाम को बदलकर चौरी चौरा करने के प्रस्ताव पर भी योगी कैबिनेट की मुहर लग गई है। लोक भवन में प्रदेश के वित्तमंत्री सुरेश खन्ना, उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय और चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी मीडिया को दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को लोक भवन में मंत्री परिषद् की बैठक आयोजित हुई। इस दौरान 8 अहम प्रस्तावों पर योगी कैबिनेट ने अपनी मुहर लगा दी है। इसमें बहुप्रतीक्षित सेमी कंडक्टर नीति 2024 के साथ ही गन्ना किसानों को बड़ी सौगात देते हुए गन्ना मूल्य में वृद्धि के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है। इसके अलावा प्रदेश में 3 नए निजी विश्वविद्यालयों को भी मंजूरी दी गई है। इसके साथ ही साथ गोरखपुर के मुंडेरा बाजार नगर पंचायत के नाम को बदलकर चौरी चौरा करने के प्रस्ताव पर भी योगी कैबिनेट की मुहर लग गई है। लोक भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान प्रदेश के वित्तमंत्री सुरेश खन्ना, उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय और चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी मीडिया को दी। कैबिनेट बैठक में हुए निर्णयों की जानकारी देते हुए चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण ने बताया कि पेराई सत्र 2023-24 के लिए प्रदेश के समस्त चीनी मिलों (सहकारी क्षेत्र, निगम एवं निजी क्षेत्र) के द्वारा क्रय किये जाने वाले गन्ना का राज्य परामर्शित मूल्य (एसएपी) का

निर्धारण किया गया है। इसमें गन्ने की अगेती प्रजातियों के लिए निर्धारित मूल्य 350 रुपए प्रति क्विंटल को बढ़ाकर 370 रुपए, सामान्य प्रजाति के लिए 340 रुपए प्रति क्विंटल को बढ़ाकर 360 रुपए और अनुपयुक्त प्रजाति के लिए गन्ना मूल्य 335 रुपए प्रति क्विंटल को बढ़ाकर 355 रुपए प्रति क्विंटल किया गया है। योगी कैबिनेट की बैठक में प्रदेश में तीन नये निजी विश्वविद्यालयों को भी मंजूरी दी गई है। उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि निजी क्षेत्र के अंतर्गत जे एस एस विश्वविद्यालय की स्थापना नोएडा में, सरोज विश्वविद्यालय की स्थापना लखनऊ में और शारदा विश्वविद्यालय की स्थापना आगरा में किये जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। उन्होंने बताया कि योगी सरकार में उच्च शिक्षा की क्वालिटी में काफी सुधार हुआ है। आज प्रदेश में पांच सरकारी और पांच निजी विश्वविद्यालय ए डबल प्लस की रैंकिंग के हैं। इसके अलावा ए प्लस रैंकिंग के तीन विश्वविद्यालय हैं। वहीं बड़ी संख्या में ए रैंकिंग विश्वविद्यालय प्रदेश में हैं। जबकि योगी सरकार से पहले प्रदेश में मात्र तीन बी प्लस रैंकिंग के ही विश्वविद्यालय मौजूद थे। प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने में निजी विश्वविद्यालयों की अहम भूमिका साबित होगी। साथ ही साथ शिक्षा की क्वालिटी में भी सुधार होगा। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में योगी कैबिनेट ने बहु प्रतीक्षित सेमी कंडक्टर नीति 2024 को मंजूरी प्रदान की है। भारत में ये उद्योग अभी शैशव अवस्था में है। अबतक केवल गुजरात, ओडिशा और तमिलनाडु ने इसे लेकर नीति बनाई थी। यूपी चौथा राज्य है, जहां सेमी कंडक्टर नीति 2024 बनाई है, जिसे विशेषज्ञों ने सर्वोत्तम नीति बताया है। इससे बड़े पैमाने पर निवेश प्रदेश में आएगा। यूपी सेमी कंडक्टर निर्माण सेक्टर में लीडर बने इसके लिए इस नीति को लाया गया है। कैबिनेट मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि सेमी कंडक्टर निर्माण इकाई लगाने वाले उद्योग समूहों को भारत सरकार की ओर से 80 हजार करोड़ रुपए का फंड दिये जाने की व्यवस्था है। यूपी सरकार इसमें 75 प्रतिशत की भागीदारी करेगी। पॉलिसी में उद्योगों को वित्तीय प्रोत्साहन देने की भी व्यवस्था है। इसमें लैंड सब्सिडी के रूप में 200 एकड़ तक 75 फीसदी की सब्सिडी मिलेगी। अबतक 13 कंपनियों ने प्रदेश में सेमी कंडक्टर निर्माण इकाई लगाने के लिए अपनी इच्छा जाहिर की है। उद्योगों को पर्याप्त मात्रा में पानी और निर्बाध बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर पेटेंट कराने पर 10 लाख तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेटेंट कराने के लिए यूपी सरकार 20 लाख रुपए प्रदान करेगी। इंडस्ट्री को स्किल्ड मैनपॉवर उपलब्ध कराने के लिए इंडस्ट्री से सीएम इंटर्नशिप प्रोग्राम के तहत कोलैबरेशन किया जाएगा। साथ ही प्रदेश के तकनीकि इंस्टीट्यूटों में भी सेमी कंडक्टर निर्माण से संबंधित ट्रेनिंग की व्यवस्था की जाएगी योगी कैबिनेट ने गोरखपुर की मुंडेरा बाजार नगर पंचायत का नाम बदलकर चौरी चौरा किए जाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। स्वाधीनता आंदोलन के दौरान प्रसिद्ध चौरी चौरा कांड के शताब्दी वर्ष को मनाने के बाद विरासत के प्रति सम्मान का भाव प्रकट करते हुए ये अहम निर्णय लिया गया है। इसके अलावा विकास प्राधिकरणों के अंतर्गत आने वाली कृषि भूमि के भू उपयोग औद्योगिकी में परिवर्तन कराने में निजी एमएसएमई इकाइयों एवं प्लेज पार्कों को परिवर्तन शुल्क से मुक्त रखे जाने के लिए उत्तर प्रदेश सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम प्रोत्साहन नीति में परिवर्तन किये जाने को भी मंजूरी मिल गई है। साथ ही मेट्रो रेल, आरआरटीएस एवं उनकी समस्त संपत्तियों को यूपी नगर निगम अधिनियम 1959 द्वारा अधिरोपित करों से छूट दिये जाने पर भी मंत्री परिषद् की मुहर लग गई है।

एक नज़र

लखनऊ की सलाह पर संवारी जा रही अयोध्या, जी-20 और इन्वेस्टर्स समिट का अनुभव आ रहा काम

लखनऊ। प्राण प्रतिष्ठा के लिए अयोध्या को लखनऊ की सलाह पर तैयार किया जा रहा है। जी-20 और इन्वेस्टर्स समिट में शामिल रहे अधिकारी नगर का दौरा कर रहे हैं। इन अफसरों की सलाह काम आ रही है। जानें, कैसे हो रहा है काम? जी-20 और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान जिस तरह राजधानी लखनऊ को सजाया गया था अब उसी तरह अयोध्या को संवारा जा रहा है। इसके लिए अयोध्या नगर निगम प्रशासन लखनऊ नगर निगम से सलाह, मदद ले रहा है। निगम के आला अफसर अयोध्या का दौरा भी कर चुके हैं। लखनऊ में सड़क निर्माण के साथ, हरियाली, लाइटिंग, डिवाइडरों की रंगाई-पुताई, सफाई करवाई गई थी। इस पर 50 करोड़ से अधिक बजट खर्च हुआ था। शहीद पथ, वृंदावन योजना के अलावा उन जगहों को विशेष तौर पर सजाया गया था, जहां अतिथि ठहरे थे या जहां वे घूमने गए थे। इन इलाकों के चौराहों पर सुंदर गमले लगाने के साथ वार्टिकल गार्डेन बनाए गए थे। दीवारों पर चित्रकारी कराई थी। स्ट्रीट लाइट के पोलों पर एलईडी स्टिप लगाई थी, ताकि रात में सड़कें जगमगाएं। इन रास्तों के नाले ढक दिए गए थे। अवैध होर्डिंग, अतिक्रमण हटाने के साथ आवारा पशु पकड़े गए थे। अफसर अयोध्या नगर निगम को बता रहे हैं कि उन्होंने यह सब कैसे किया? जिन ठेकेदारों और एजेंसियों ने काम किया, उनकी भी जानकारी दी गई। अयोध्या प्रशासन अब इनसे काम कराने की तैयारी में है। लखनऊ नगर निगम ने मार्ग प्रकाश टावर, सफाई, एंटी स्मॉग गन, पानी का छिड़काव करने वाले टैंकर, मोबाइल शौचालय वाली गाड़ियां और कैटिल कैचिंग दस्ता भी भेजा है। दस्ते में उन कर्मचारियों को ही रखा है, जो आवारा कुत्तों और छुट्टा गोवंश पकड़ने में माहिर हैं। पशु कल्याण अधिकारी भी भेजे गए हैं। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह और अपर नगर आयुक्त अवनींद्र सिंह तीन दिन पहले अयोध्या गए थे। नगर आयुक्त तो उसी दिन लौट आए, लेकिन अपर नगर आयुक्त तीन दिन बाद आए। उन्होंने बताया कि अयोध्या नगर निगम प्रशासन को जानकारी दी गई कि जी-20 और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान कैसे व्यवस्थाएं कीं। किन एजेंसियों को लगाया था। उद्यान अधीक्षक गंगाराम गौतम ने बताया कि अयोध्या में चौराहे और सड़क पर कैसे फूलों, गमलों से सजावट कर सकते हैं। लखनऊ नगर निगम में ठेके पर सफाई करने वाली एक लापरवाह कंपनी भी अयोध्या में काम कर रही है। जानकारों ने बताया कि यह दो-तीन महीने से जुगाड़ से वहां काम कर रही है। उसे 1500 कर्मचारी लगाने का ठेका मिला है। लखनऊ में इस कंपनी को आए दिन काम में लापरवाही पर नोटिस तो जारी होते ही रहे, जुर्माना भी लगाया जाता रहा। कंपनी अयोध्या में भी लापरवाही बरत सकती है।

बरौनी-लखनऊ एक्सप्रेस में टीटीई ने यात्री को पीटा, वीडियो वायरल

लखनऊ। ट्रेन में यात्री को पीटते टीटीई का वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो गया है। वीडियो वायरल होते ही टीटीई को निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ ही जांच के आदेश दिए गए हैं। बरौनी-लखनऊ जंक्शन एक्सप्रेस में एक टीटीई की गुंडई देखने को मिली। गोरखपुर से लखनऊ के बीच में एक टीटीई चेकिंग कर रहा था, तभी एक यात्री बिना टिकट के यात्रा कर रहा था। कुछ पूछने पर टीटीई साहब अपना आपा खो बैठे और यात्री को पीट दिया। यही नहीं वहां वीडियो बना रहे एक यात्री का मोबाइल भी छीनने का प्रयास किया। यही नहीं टीटीई ने वीडियो बना रहे युवक से गाली-गलौज भी की। वीडियो वायरल होने के बाद टीटीई को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही जांच के आदेश दिए गए हैं। बरौनी-लखनऊ ट्रेन संख्या-15203 गुरुवार को लखनऊ आ रही थी। जब यह गोंडा से लखनऊ के बीच चल रही थी, तभी टीटीई प्रकाश टिकट चेकिंग करते हुए स्लीपर कोच में पहुंचे। जहां एक युवक बिना टिकट मिला। टीटीई उससे जुर्माना वसूलने के बजाय उसको पीटने लगे। वहीं, दूसरी सीट पर बैठा युवक जब उनकी इस कारतूत का वीडियो बनाने लगा तो उससे गाली-गलौज करते हुए मोबाइल फोन छीनने का प्रयास किया। बोगी में यात्रा कर रहे यात्रियों ने जब इसका हस्तक्षेप किया तो टीटीई ने उनसे भी अभद्रता की। जब ट्रेन लखनऊ स्टेशन पहुंची तो टीटीई की कारतूत का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वीडियो वायरल होते ही आनन-फानन में मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनुज प्रताप सिंह ने आरोपी टीटीई से जवाब मांगा। सीनियर डीसीएम आशुतोष गुप्ता तक मामला पहुंचा तो तुरंत टीटीई को तत्काल निलंबित कर दिया गया है। साथ ही जांच के आदेश दिए हैं।

यूपी विधान परिषद उपचुनाव

भाजपा प्रत्याशी दारा सिंह चौहान ने दाखिल किया नामांकन सीएम योगी रहे मौजूद

संवाददाता

लखनऊ। यूपी विधान परिषद की एक सीट पर हो रहे उपचुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी दारा सिंह चौहान ने नामांकन दाखिल कर दिया है। इस मौके पर उनके साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। यूपी विधान परिषद उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी दारा सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को नामांकन दाखिल कर दिया। दारा सिंह भाजपा प्रदेश मुख्यालय से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी के नेतृत्व में नामांकन दाखिल करने विधान भवन पहुंचे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक सहित प्रदेश सरकार के अन्य मंत्री व पार्टी के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। पार्टी सूत्रों के मुताबिक यूपी भाजपा की

कोर कमेटी ने उप चुनाव के लिए पैनल तैयार कर केंद्रीय नेतृत्व को भेजा था। पैनल में सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हुए दारा सिंह चौहान का नाम प्राथमिकता पर था। इनके अतिरिक्त प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रज बहादुर उपाध्याय, प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश शर्मा और संतोष सिंह सहित अन्य नाम शामिल थे। केंद्रीय नेतृत्व ने दारा सिंह चौहान के नाम पर सहमति दे दी। सपा से इस्तीफा देने के बाद दारा सिंह घोसी विधानसभा क्षेत्र से उप चुनाव हार गए थे तब से ही दारा सिंह को विधान परिषद भेजने की चर्चा चल रही थी और आज उन्होंने नामांकन दाखिल कर दिया। दारा सिंह चौहान को घोसी सीट पर विधानसभा उपचुनाव के बाद भी मंत्री बनाए जाने के कयास लगाए जा रहे थे लेकिन दारा और उनके साथ ही सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर अभी भी इंतजार ही कर रहे हैं। दारा सिंह चौहान को गृहमंत्री अमित शाह का करीबी माना जाता है। वह नोनिया समाज से आते हैं जो कि पूर्वांचल में काफी प्रभावी माना जाता है। उपचुनाव में वह अपने समुदाय का वोट भी पूरी तरह प्राप्त नहीं कर सके वह सपा प्रत्याशी सुधाकर सिंह से करीब 42 हजार वोटों से हार गए। सपा से भाजपा में शामिल होने पर दारा सिंह चौहान ने कहा था कि लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा प्रदेश की सभी 80 सीटों पर जीत दर्ज करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे।

22 जनवरी को यूपी में मांस-मछली और शराब की बिक्री पर पूरी तरह से रोक, एडवाइजरी जारी

संवाददाता

लखनऊ। यूपी सरकार ने 22 जनवरी को लेकर एक एडवाइजरी जारी की है। जिसमें शराब के साथ ही मांस-मछली की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के आदेश दिए गए हैं। देश-विदेश में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर उत्सव जैसा माहौल है। इस दिन को खास बनाने के लिए बड़े स्तर पर तैयारी की गई है। साथ ही लोगों से इस दिन दीप जलाने की अपील गई है। वहीं, योगी सरकार की ओर एडवाइजरी जारी हुई है। 22 जनवरी को पूरे प्रदेश में मांस-मछली और शराब की बिक्री पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा सरकारी कार्यालयों और स्कूलों में भी छुट्टी रहेगी। 20 जनवरी से अयोध्या में बाहरी लोगों का आवागमन बंद हो जाएगा। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सुरक्षा चाक चौबंद कर दी गई है। रामलला का गृह प्रवेश हो गया है। पीएम नरेंद्र मोदी के प्रतिनिधि यजमान अनिल मिश्रा अपनी पत्नी ऊषा मिश्रा के साथ पूजन विधि को संपन्न किया। आचार्य गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ और आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित की अगुवाई में 121 आचार्य रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का पूजन करवा रहे हैं। अयोध्या नगरी की गलियां और मकान रामभक्ति में रंग गए हैं। हर तरफ राम ही राम नजर आ रहे हैं। वहीं, बड़ी संख्या में लोग अयोध्या पहुंच रहे हैं। होटलों के कमरों का किराया बहुत महंगा हो गया। रूम तक नहीं मिल रहे हैं।

कर्मकांड के बाद गर्भगृह में रामलला की प्रतिमा हुई विराजित, प्राण प्रतिष्ठा के बाद ही मिल सकेंगे दर्शन

संवाददाता

लखनऊ। राम मंदिर के गर्भगृह में रामलला की नई प्रतिमा विराजित हो गई है। हालांकि इस नई प्रतिमा के दर्शन प्राण प्रतिष्ठा के बाद ही हो सकेंगे। राम मंदिर के गर्भगृह में रामलला की नई प्रतिमा विराजित हो गई है। हालांकि इसे अभी देखा नहीं सकेगा। 22 जनवरी को प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा हो जाने के बाद ही उस दिव्य और विराट मूर्ति के दर्शन हो सकेंगे। कल देर शाम वह प्रतिमा मंदिर परिसर लाई गई थी। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का विधिवत कर्मकांड गुरुवार को गणेश पूजन के साथ शुरू हो गया है। शुभ मुहूर्त में दोपहर 1:20 बजे गणेश पूजन के साथ प्राण प्रतिष्ठा के पूजन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वहीं बुधवार को रामजन्मभूमि परिसर पहुंचे रामलला को अपने आसन

पर विराजमान कर दिया गया है। गर्भगृह में कमल की आकृति वाले संगमरमर के सिंहासन पर रामलला की अचल मूर्ति को वैदिक आचार्यों ने विधिविधान पूर्वक विराजित कर दिया है। पूजन के क्रम में सबसे पहले गणेश अंबिका पूजन फिर वरुणपूजन, चतुर्वेदोक्त पुण्याहवाचन, मातृकापूजन, वसोर्धारापूजन (सप्त घृत मातृका पूजन) हुआ। इसके बाद आयुष्य मंत्रजप, नांदीश्राद्ध, आचार्यादिच ऋत्विग्वरण, मधुपर्कपूजन हुआ। इसके बाद पूजन के लिए बनाए गए मंडपों की पूजा की गई। इसके लिए मंडपप्रवेश, पृथ्वी- कूर्म-अनंत- वराह-यज्ञभूमि-पूजन, दिग्ग्रक्षण, पञ्चगव्य - प्रोक्षण, मंडपाङ्ग की विधि पूरी की गई। इसके साथ ही वास्तुपूजन, वास्तु बलिदान, मंडप सूत्रवेष्टन, दुग्ध- धारा, जलधाराकरण की प्रक्रिया संपन्न कराई गई। इसके बाद षोडशस्तंभ पूजन व मंडपपूजा के क्रम में मंदिर के तोरण, द्वार, ध्वज, आयुध, पताका, दिक्पाल, द्वारपाल की पूजा की गई। इसके बाद रामलला की अचल मूर्ति का जलाधि वास,गंधाधिवास कराया गया है। शाम को पहली बार अचल मूर्ति की आरती भी वैदिक आचार्यों ने उतारी है। मुख्य यजमान डॉ अनिल मिश्र ने पहले दिन की पूजन प्रक्रिया संपन्न कराई। पूजन के दौरान श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय भी मौजूद रहे।

निराले होंगे रामलला के ठाठ... पांच हजार नए वस्त्र तैयार, सोमवार-मंगलवार को धारण करते हैं ऐसे वस्त्र

एजेंसी

लखनऊ। देशभर के राम भक्त अपने आराध्य के लिए वस्त्र भेज रहे हैं। रामलला के वस्त्र दिन के हिसाब से तैयार होते हैं। वस्त्रों के एक सेट में 10 हजार रुपये का खर्च आता है। नए मंदिर में रामलला के ठाठ-बाट निराले होंगे। रामलला के नए वस्त्र की बात करें तो अब तक उनके लिए पांच हजार से अधिक वस्त्र तैयार किए जा चुके हैं। पूरे देश से रामलला के लिए रोजाना उपहार भेजे जा रहे हैं। बड़ी संख्या में भक्त रामलला के लिए वस्त्र भी भेंट कर रहे हैं। रामलला रोजाना नए कपड़े पहनते हैं, दिन के हिसाब से उनके लिए वस्त्र तैयार किए जाते हैं। 90 के दशक से रामलला के वस्त्र सिल रहे दर्जी भगवत प्रसाद ने बताया कि पूरे देश से उनके पास रामलला का वस्त्र बनवाने के लिए फोन आ रहे

हैं। गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब, दिल्ली, मुंबई व उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से लोग फोनकर रामलला के लिए वस्त्र बनाने का आर्डर दे रहे हैं। पिछले डेढ़ माह में वे रामलला के लिए अब तक करीब एक हजार वस्त्र तैयार कर चुके हैं। भगवत प्रसाद ने बताया कि भगवान रामलला के लिए कपड़े सात दिन के हिसाब से तैयार होते हैं। इस पर करीब दस हजार रुपये खर्च होते हैं। एक सेट में तीन पर्दे, एक बड़ा बिछौना, एक छोटे बिछौना, छह दुपट्टा और रजाई शामिल होती है। विहिप के शरद शर्मा बताते हैं कि पांच हजार से अधिक वस्त्र रामलला के लिए तैयार हैं। सोने, चांदी व रत्न जड़ित वस्त्र भी रामलला को भेंट किए जा रहे हैं। राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने बताया कि रामलला सोमवार को सफेद, मंगलवार को गुलाबी, बुधवार को हरा, गुरुवार को पीला, शुक्रवार को हल्का गुलाबी, शनिवार को नीला व रविवार को लाल गुलाबी वस्त्र धारण करते हैं। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद राममंदिर के गर्भगृह में श्रीराम की चरण पादुकाएं भी रखी जाएंगी। ये चरण पादुकाएं एक किलो सोना और सात किलो चांदी से बनाई गई हैं। इन्हें हैदराबाद के श्रीचल्ला श्रीनिवास शास्त्री ने बनाया है। इसके अलावा राममंदिर के भूतल के सभी दरवाजों को भी स्वर्ण मंडित किया जा चुका है। राममंदिर का सिंहासन भी स्वर्ण जड़ित है। रामलला सोने का मुकुट भी धारण करेंगे।

यूपी कैबिनेट का किसानों को तोहफा, गन्ना मूल्य में 20 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ोतरी को दी मंजूरी

संवाददाता

लखनऊ। यूपी कैबिनेट ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई बैठक में गन्ना मूल्य में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। कैबिनेट ने कई और फैसलों को भी मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को हुई कैबिनेट बैठक में सरकार ने गन्ना किसानों को तोहफा दिया है। कैबिनेट ने गन्ना मूल्य में 20 रूपये प्रति क्विंटल की वृद्धि को मंजूरी दे दी है। इसके तहत गन्ने की तीनों ही किस्मों में 20 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। इसके पहले, गन्ना मूल्य को लेकर प्रदेश सरकार ने विधानसभा चुनाव से पहले 2021 में भी 25 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की थी। वर्तमान में सामान्य गन्ने का मूल्य

340 रुपये प्रति क्विंटल और अगेती प्रजापति के गन्ने का मूल्य 350 रुपये प्रति क्विंटल है। कैबिनेट बैठक में पेराई सत्र 2023-24 के लिए सहकारी क्षेत्र, निगम और निजी क्षेत्र सहित सभी चीनी मिलों की ओर से खरीदे जाने वाले गन्ने का राज्य परामर्शित मूल्य एसएपी निर्धारण होगा। बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि बैठक में कुल 18 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है।

इन प्रस्तावों को भी दी गई सहमति

- योगी कैबिनेट ने सेमी कंडक्टर नीति को भी मंजूरी दे दी है।
- चौरी-चौरा के नाम पर होगा मुंडेरा नगर पंचायत का नाम
- उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कारपोरेशन को राज्य एवं स्थानीय कर, संपत्ति कर, गृहकर, सर्विस चार्ज, जलकर, विज्ञापन कर और पार्किंग शुल्क में छूट की मंजूरी दे दी गई है।
- उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय के अनुसार, कैबिनेट ने तीन निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना को भी मंजूरी दी है।

उमेश पाल हत्याकांड में जांच रिपोर्ट कैबिनेट में रखी गई

प्रयागराज में उमेश पाल हत्याकांड के आरोपियों के एनकाउंटर और अतीक अहमद व उसके भाई अशरफ की हत्या के मामले की न्यायिक जांच रिपोर्ट भी कैबिनेट में रखी गई। मालूम रहे कि उमेश पाल हत्याकांड के आरोपियों के एनकाउंटर की जांच के लिए राज्य सरकार ने बीते वर्ष 15 अप्रैल को न्यायिक जांच आयोग का गठन किया था। आयोग ने अतीक के बेटे असद, शूटर मोहम्मद गुलाम, अरबाज और विजय चौधरी उर्फ उस्मान के एनकाउंटर की जांच की थी। दूसरी ओर, अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की प्रयागराज के जिला अस्पताल परिसर में हुई हत्या के मामले की जांच भी न्यायिक आयोग से कराई गई थी। सूत्रों के मुताबिक दोनों न्यायिक आयोग ने अपनी रिपोर्ट शासन को सौंप दी है, जिसे बृहस्पतिवार को कैबिनेट में पेश किया गया।

कॉलेज शिक्षक की सड़क हादसे में मौत, ट्रक ने बाइक में मारी टक्कर

लखनऊ। अमेठी के गौरीगंज में हुए एक हादसे में एक शिक्षक की मौत हो गई। बाइक सवार शिक्षक को एक ट्रक ने टक्कर मार दी। अमेठी जिले के टांडा-बांदा हाईवे पर गौरीगंज शहर में बुधवार की रात बाइक सवार शिक्षक को ट्रक ने टक्कर मार दिया। इससे शिक्षक की मौत हो गई। जामो थाने के धोएपुर गांव निवासी दिवाकर द्विवेदी (35) गौरीगंज मुख्यालय स्थित इंदिरा गांधी पीजी कॉलेज में शिक्षक थे। बुधवार की रात वह बाइक से घर आ रहे थे। रास्ते में टांडा-बांदा हाईवे पर वी मार्ट के पास ट्रक ने टक्कर मार दिया। इससे वह घायल हो गए। आसपास के लोगों ने उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों के मुताबिक हादसे के वक्त शिक्षक ने हेलमेट लगा रखा था। दिवाकर के पिता लालता प्रसाद द्विवेदी इंदिरा गांधी पीजी कॉलेज में बीएड के विभागाध्यक्ष है।

सम्पादकीय

सिकुड़ते जनाधार के बीच अरमानों के पंख फैला कर क्या दर्शाना चाह रही है बसपा?

बात लोकसभा चुनाव की करें तो साल 2019 का चुनाव बसपा ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में लड़ा था, बसपा को इस चुनाव में 10 सीटें मिली थीं और सपा का खाता पांच सीटों पर सिमट गया था। इस चुनाव के बाद सपा और बसपा का गठबंधन टूट गया। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने जन्मदिन पर पर राजनैतिक धुंध पूरी साफ कर दी। बसपा अकेले चुनाव लड़ेगी, यह घोषणा करके मायावती ने उन लोगों की राह आसान कर दी है जो बसपा से गठबंधन की उम्मीद में एक कदम आगे तो दो कदम पीछे चलने को मजबूर हो रहे थे। मायावती के इस फैसले के निहितार्थ भी निकाले जायेंगे तो बसपा को बीजेपी की बी टीम बताने का सिलसिला भी तेज हो जायेगा। ऐसा इसलिए भी होगा क्योंकि बसपा के अकेले चुनाव लड़ने का सीधा फायदा भाजपा को मिलेगा। वहीं कांग्रेस का मायावती के इस फैसले से उत्तर प्रदेश में पैर पसारने का सपना टूट सकता है। कांग्रेस जानती है कि समाजवादी पार्टी के साथ 2017 के विधान सभा चुनाव में गठबंधन का उसे कोई फायदा नहीं मिला था, जिसके चलते लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस को अपना हश्र 2017 जैसा होता दिख रहा है। कांग्रेस के लिए बसपा की एकला चलो नीति इसलिए भी बड़ा झटका है क्योंकि राहुल गांधी लगातार इस बात की कोशिश में लगे थे कि बसपा भी इंडी गठबंधन का हिस्सा बन जाये। यदि ऐसा हो जाता तो निश्चित ही बीजेपी के लिए यूपी में राह मुश्किल हो सकती थी। वैसे मायावती ने चुनाव बाद गठबंधन की संभावनाओं को जिंदा रखा है। मायावती के पास करीब 18 फीसदी कोर वोटर हैं। मायावती जिस भी पार्टी से हाथ मिलाती हैं उसकी बल्ले-बल्ले हो जाती है, लेकिन दूसरी पार्टियों का वोट बसपा को ट्रांसफर नहीं होता है इसीलिये मायावती गठबंधन को लेकर ज्यादा उत्साहित नहीं रहती हैं। मायावती के सियासी सफर की बात की जाये तो वह चार बार उत्तर प्रदेश की सीएम बन चुकी हैं, जिसमें से तीन बार वह बीजेपी के गठबंधन के साथ मुख्यमंत्री बनीं तो 2007 के विधान सभा चुनाव में मायावती को अपने दम पर बहुमत मिला और चौथी बार राज्य की सीएम वो अकेले अपनी पार्टी के दम पर बनीं थीं लेकिन इसके बाद से ही मायावती की ताक़त घटने लगी। सबसे हालिया विधानसभा चुनाव में बसपा 403 विधासभा सीटों में से महज़ एक सीट जीत पायी। पार्टी का वोट शेयर 13 फ़ीसदी था। थोड़ा और पीछे जाएं तो 2017 के विधानसभा चुनाव में बसपा को 403 में से 19 सीटें मिली थीं। वोट शेयर 22 फ़ीसदी था। बात लोकसभा चुनाव की करें तो साल 2019 का चुनाव बसपा ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में लड़ा था, बसपा को इस चुनाव में 10 सीटें मिली थीं और सपा का खाता पांच सीटों पर सिमट गया था। इस चुनाव के बाद सपा और बसपा का गठबंधन टूट गया। अखिलेश यादव ने कहा कि हमारा वोट तो बहन जी को ट्रांसफ़र हुआ लेकिन इसमें उनका नुकसान हो गया। वहीं मायावती ने भी चुनाव के बाद दिए गए बयान में कहा कि सपा के साथ जाकर उन्हें चुनाव में नुक़सान हुआ। एक अनुमान के मुताबिक़ उत्तर प्रदेश में दलितों में 65 उपजातियां हैं। इनमें सबसे बड़ी आबादी जाटव समुदाय की है। कुल दलित आबादी का 50 फ़ीसदी हिस्सा जाटव हैं। मायावती खुद इसी समुदाय से आती हैं। मायावती का अब दलितों के बीच वो प्रभाव नहीं रह गया जैसा पहले हुआ करता था। उनकी पार्टी जाटवों की पार्टी बन कर रह गई है। दलितों का एक अच्छा ख़ासा तबका बीजेपी के साथ चला गया है और ये पिछले लोकसभा चुनाव में स्पष्ट दिखाई दिया। जाटव और रैदास जैसी जातियां ही अब मायावती के कोर वोटर रह गई हैं। वाल्मीकि, पासी जातियां अब मायावती के साथ नहीं हैं। अब मायावती की वो सियासी ताक़त नहीं रही, जिसके लिए वो जानी जाती थीं। वो अब वोट काट तो सकती हैं लेकिन किंगमेकर नहीं बन सकतीं। मौजूदा हालात में तो कम से कम ऐसा ही लगता है। बहरहाल, मायवती को सबसे अधिक सियासी नुकसान भी भारतीय जनता पार्टी ने ही पहुंचाया है। साल 2014 के चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश में बीजेपी की छवि बहुत बदली है। राज्य की राजनीति को क़रीब से समझने वाले लोग मानते हैं कि बीजेपी की छवि जिस तरह पहले ब्राह्मण और बनियों की पार्टी की थी आज वैसी छवि नहीं रही है। वो आज वैसी नहीं देखी जाती। अब बीजेपी का दायरा ऊंची जातियों की पार्टी से आगे बढ़ कर दलितों और पिछड़ों के बीच भी पहुंच गया है। दलितों में एक तबका बहन जी के सियासी रूप से कमजोर होने के बाद भाजपा की तरफ चला गया है। इसके अलावा बीते कुछ सालों में मायावती ने अपने पार्टी की स्थिति बेहतर करने के लिए कुछ नहीं किया है। उनकी पार्टी राजस्थान, पंजाब और मध्य प्रदेश में एक बड़ी खिलाड़ी हुआ करती थी लेकिन इन राज्यों को तो भूल जाइए वो अपने गृह राज्य यूपी में ही सिमटती जा रही है। आने वाला लोकसभा चुनाव मायावती और उनकी पार्टी के लिए अस्तित्व बचाने की लड़ाई होगी। बीते चुनावों में पार्टी का गिरता प्रदर्शन तो कम से कम इसी ओर इशारा करता है। पार्टी के घटते वोट शेयर और सीटें तो मायावती के लिए चुनौती हैं ही, उनके लिए एक बड़ी चुनौती ये भी है कि उनके बड़े नेता उनका साथ छोड़ चुके हैं या उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया या है। स्वामी प्रसाद मौर्या, लालाजी वर्मा और इंद्रजीत जैसे बड़े क़द के नेता अब उनका साथ छोड़ चुके हैं। मौजूदा सांसद दानिश अली को बहनजी ने बाहर कर दिया है। ऐसे में अकेले पार्टी को ज़िंदा रखना मायावती के लिए आने वाले चुनाव में सबसे बड़ी चुनौती होगी क्योंकि उसका मुकाबला सपा और कांग्रेस के साथ-साथ मोदी की 'सेना' से भी होगा, जो लगातार दलित वोटरों को लुभाने में लगे हैं। बीजेपी लम्बे समय से दलित मतदाताओं को साधने की रणनीति पर काम कर रही है। पिछले दिनों हुए उपचुनाव में बसपा प्रत्याशी नहीं होने के बावजूद बीजेपी को सफलता नहीं मिली थी, जिससे बीजेपी को इस बात का अहसास अच्छी तरह से हो गया है कि 2024 की नैय्या दलित मतदाताओं को साधे बिना पार नहीं लगने वाली है। इसलिए बीजेपी का थिंकटैंक दलित बस्तियों में पैठ बनाने की योजना पर काम कर रहा है। बस्ती संपर्क एवं संवाद अभियान के जरिए दलित मतदाताओं में पैठ बनाने के लिए कार्यक्रम चलाया जा रहा है। बीजेपी अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र कनौजिया ने बताया कि उत्तर प्रदेश के सभी संगठनात्मक जिलों में अध्यक्षों को दलित बस्तियों के बीच जाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बस्ती संपर्क एवं संवाद अभियान के जरिए बीजेपी की डबल इंजन की सरकार के कामों को बताया जा रहा है। बीजेपी कार्यकर्ता दलित बस्तियों में जाकर फीडबैक लेंगे। दलित बस्तियों से मिले फीडबैक को बीजेपी लोकसभा चुनाव में इस्तेमाल करेगी।

इंटरनेट अर्थव्यवस्था- उत्साहित करने के साथ डराती भी है तीन दशक की यह यात्रा

तीन दशक पहले अमेरिका में संपन्न सुपर हाईवे सम्मेलन की छोटी-सी शुरुआत, जिस तरह इंटरनेट आधारित अर्थव्यवस्था के विविध सोपानों, जैसे- नए वेब ब्राउजर, मोबाइल इंटरनेट से लेकर ऑनलाइन पेमेंट, युद्धों में तकनीक का इस्तेमाल और अब जेनरेटिव एआई तक जा पहुंची है, वह उत्साहित करने के साथ डराती भी है। तीस साल पहले की बात है। जनवरी का ग्यारहवां दिन था। जब सरकार, शिक्षा और संचार क्षेत्र की दो दर्जन से ज्यादा हस्तियां कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में आयोजित एक भविष्य-उन्मुखी सम्मेलन में शामिल हुई थीं, जिसका नाम था-'सुपर हाईवे समिट'। इससे जुड़ा एक दिलचस्प वाकया है। सम्मेलन का आयोजन दरअसल टेलीविजन, आर्ट्स व साइंसेज अकादमी के रिचर्ड फ्रैंक कर रहे थे, जिन पर चुटकी लेते हुए तत्कालीन अमेरिकी उपराष्ट्रपति अल गोर ने कहा, 'जो टेलीविजन पर नहीं आया, समझो हुआ ही नहीं।' ठीक ऐसा ही कुछ आप आज 2024 के लिए भी कह सकते हैं कि, जो इंटरनेट व सोशल मीडिया पर नहीं है, उसका अस्तित्व ही नहीं है। दुनिया में इंटरनेट के विकास का अलबत्ता एक लंबा इतिहास रहा है। एक तरह से देखें, तो सुपर हाईवे समिट के साथ ही इंटरनेट के सुपरहाईवे और इंटरनेट आधारित इकनॉमी की शुरुआत देखी जा सकती है। 1994 में एनसीएसए मोजैक और नेटस्केप के वेब ब्राउजर शुरू होने के बाद माइक्रोसॉफ्ट विंडोज एक्सप्लोरर यूजर्स के लिए डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू यानी वर्ल्ड वाइड वेब लाया। इस तरह एक छोटी-सी शुरुआत थोड़ा झिझकते हुए वैश्विक इंटरनेट इकनॉमी की तरफ बढ़ी। 2024 में विश्व की औसत आयु करीब साढ़े 30 वर्ष अनुमानित है। इससे जाहिर होता है कि दुनिया की आठ अरब से ज्यादा आबादी का करीब आधा हिस्सा इंटरनेट के युग में ही पैदा हुआ है। पूरी दुनिया में इंटरनेट का उपयोग करने वालों की संख्या 5.3 अरब से ज्यादा है और यह लगातार बढ़ भी रही है। गूगल जो एक संज्ञा है, जवाब खोजने की क्रिया बन गई है। वेब (जाल) केवल वही नहीं रह गया, जो मकड़ियां बुनती हों। फिल्में व संगीत स्ट्रीम होने लगे हैं। सामाजिकता निभाने के लिए सोफे से उठने तक की जरूरत नहीं पड़ रही है। अभिव्यक्तियां संक्षिप्त होती जा रही हैं। अमेरिकी विज्ञान गल्प कथाकार इसाक असिमोव की सभी भविष्यवाणियां अब मोबाइल की स्क्रीन पर साफ दिख रही हैं। हालांकि बदलाव का चक्र काफी छोटा रहा है। सबसे ज्यादा उपयोग में लाए गए एप्लीकेशन और सबसे बड़ी इंटरनेट आधारित कंपनियां हालिया इतिहास का अंग हैं। 1994 तक अमेजॅन की पहचान दक्षिण अमेरिका की केवल एक शांत नदी होने तक सीमित थी। उबर कोई सवारी नहीं, बल्कि एक विशेषण था। मेटा (पूर्व नाम फेसबुक), एक्स (पूर्व नाम ट्विटर), सर्वव्यापी व्हाट्सऐप, स्पॉटिफाई, शॉपिफाई, बुकिंग डॉट कॉम, एयरबीएनबी, नेटफ्लिक्स इत्यादि कॉरपोरेट की दुनिया की जेनरेशन जेड में शुमार होते हैं। तकनीकी पहुंच को भारतीय परिप्रेक्ष्य में देखें, तो अलग ही कहानी दिखेगी। अलेक्जेंडर ग्राहम बेल को 1876 में टेलीफोन के लिए पेटेंट मिला। लेकिन, दो-तिहाई भारतीयों को 1990 के दशक तक फोन नहीं मिल सका था। इंटरनेट भी भारतीयों के नसीब में तब आया, जब 1995 में वीएसएनएल द्वारा मुहैया कराया गया। पर आज करीब 1.2 अरब भारतीय मोबाइल फोन और 80 करोड़ भारतीय इंटरनेट का उपयोग कर रहे हैं। 53 करोड़ से ज्यादा लोग व्हाट्सऐप पर हैं और यू-ट्यूब के कुल 2.7 अरब यूजर्स का पांचवां हिस्सा भारत में है। इंटरनेट का सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव ऑनलाइन भुगतानों में इसके बढ़ते उपयोग के रूप में दिखता है। भारत का डिजिटल सार्वजनिक मॉडल, आधार द्वारा प्रदत्त पहचान की बदौलत अब विकासशील दुनिया के लिए आदर्श बन चुका है। भारतीय राष्ट्रीय पेमेंट कॉरपोरेशन द्वारा दर्ज किए गए आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर, 2023 में करीब 50 करोड़ आईएमपीएस भुगतान हुए। वहीं सर्वव्यापी यूपीआई प्लेटफॉर्म पर साढ़े 11 अरब भुगतान हुए। हालांकि वैश्विक आर्थिक विकास में इंटरनेट के योगदान पर निरंतर बहस चल रही है। मैकिंसे के अध्ययन के अनुसार, 2011 में इंटरनेट उपयोगकर्ता दो अरब थे, जबकि इंटरनेट आधारित इकनॉमी ने करीब 80 खरब डॉलर का योगदान दिया। विश्व बैंक की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, डिजिटल इकनॉमी वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (वैश्विक जीडीपी) में 15 फीसदी से ज्यादा योगदान देती है और यह दुनिया की वास्तविक जीडीपी से ढाई गुना ज्यादा तेजी से बढ़ रही है। ऑनलाइन भुगतानों से ग्राहक व कंपनियां, दोनों को फायदा पहुंचा है। बैंकों को बगैर ज्यादा शाखाएं खोले, बाजार में अपनी मौजूदगी बढ़ाने का मौका मिला है। म्यूचुअल फंड ने ऑनलाइन पहुंच बनाकर बचतकर्ताओं को फंड व निवेश के नए अवसर देकर अपनी पहुंच बढ़ाई है। लेकिन इसमें जोखिम भी हैं। जैसा अमेरिका में देखा गया, जहां जमाकर्ताओं ने कुछ ही घंटों में अपने खाते खाली कर दिए। हालांकि अब कंपनियां और नियामक भी इन जोखिमों से वाकिफ हैं। यूक्रेन और पश्चिम एशिया के युद्धों में इंटरनेट आधारित आक्रामक और रक्षात्मक क्षमताएं बढ़ती दिखी हैं। आज चाहे लाल सागर संघर्ष हो, इस्राइल-फलस्तीन युद्ध हो या फिर रूस-यूक्रेन युद्ध, इंटरनेट आधारित तकनीकों ने एक नए उद्योग का आकार लिया है। हैरत नहीं कि मानव रहित हवाई वाहन और साइबर सुरक्षा सैन्य-उद्योग तंत्र के सबसे उभरते हुए पहलू रहे। ब्रिटिश उद्यमी मुस्तफा सुलेमान, जिसे 'आने वाली लहर' कहते हैं, दुनिया ठीक इसी कगार पर पहुंच चुकी है। निजी इक्विटी फंड, कंपनियां और सरकारें दो सौ अरब डॉलर से ज्यादा के निवेश के साथ अगली बड़ी छलांग के लिए तैयार हैं, जो जेनरेटिव एआई और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संबंधित हैं। एआई से पूरी दुनिया को काफी उम्मीदे हैं। खासकर पहुंच, कौशल व अवसरों के क्षेत्र में विषमताओं को खत्म करने में। हालांकि यह आर्थिक, राजनीतिक और अस्तित्व संबंधी चिंताएं भी पैदा करता है। मानवीय प्रयासों की भूमिका सीमित होने के विचार के विभिन्न देशों में गंभीर निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। राजनीतिक स्तर पर इससे ध्रुवीकरण के बढ़ने और सोशल मीडिया पर गुस्से व दुख के विस्तार की आशंका है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के खतरे महज कल्पना नहीं, बल्कि वास्तविक भी हैं, जो नियामकों को इस पर नियंत्रण रखने की जरूरत को इंगित भी करते हैं। इस समस्या के समाधान की कोई गारंटी तो नहीं, पर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा निकाय द्वारा परमाणु प्रतिष्ठानों के लिए सुझाया गया मार्ग एक अच्छा उपाय जरूर हो सकता है। यह ठीक वैसा ही उपाय है, जैसा सुनामी आने पर प्रतिबंध और चेतावनी की व्यवस्था होती है। हालांकि जरूरी नहीं कि यह उपाय काफी साबित हो। अलबत्ता इसके लिए वैश्विक समन्वय की जरूरत होगी। और, अगर दुनिया के अग्रणी नेताओं के पास इसका कोई हल नहीं है, तो वे एआई से परामर्श कर सकते हैं।

सोमनाथ से अयोध्या तक... तुष्टिकरण की राजनीति पर कायम है कांग्रेस

वर्तमान में देश में राम नाम की प्रचंड लहर के चलते अब कांग्रेस नेता, समर्थक और मीडिया का एक वर्ग यह साबित करने में जुटा है कि राम मंदिर में कांग्रेस का भी योगदान है। जबकि जमीनी सच्चाई यह है कि, कांग्रेस ने राम के नाम पर घिनौनी राजनीति का प्रदर्शन किया है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी शामिल नहीं होंगी। कांग्रेस भले ही राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर को भाजपा और आरएसएस को इवेंट बताती रहे। लेकिन कांग्रेस ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से दूरी बनाकर वही गलती की है, जो गलती कभी पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने की थी। उस वक्त पंडित नेहरू सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन में नहीं गए थे। असल में मुस्लिम तुष्टिकरण उसके एजेंडे में प्रथम स्थान पर है। उसके एजेंडे में न सोमनाथ था और न ही अयोध्या है। इतिहास के पन्ने पलटे तो स्वतंत्र भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री सरदार पटेल ने मुहम्मद गजनवी द्वारा तोड़े गए भगवान सोमनाथ के मंदिर का पुनः निर्माण कराया था। सोमनाथ मंदिर का निर्माण कार्य पूर्ण होने तक सरदार स्वर्गवासी हो गए तो कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी ने स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा 11 मई 1951 को सोमनाथ मंदिर का उद्घाटन कराया। उस समय प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के विरोध के बावजूद डॉ. राजेंद्र प्रसाद सोमनाथ गए। वर्तमान में देश में राम नाम की प्रचंड लहर के चलते अब कांग्रेस नेता, समर्थक और मीडिया का एक वर्ग यह साबित करने में जुटा है कि राम मंदिर में कांग्रेस का भी योगदान है। जबकि जमीनी सच्चाई यह है कि, कांग्रेस ने राम के नाम पर घिनौनी राजनीति का प्रदर्शन किया है। एक ऐसी राजनीति जिसने राम मंदिर मुद्दे को उलझाने का काम किया। कांग्रेस ने हमेशा वोट बैंक की राजनीति करते हुए केवल तुष्टिकरण का ही सहारा लिया। राम मंदिर केस में कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया था कि अयोध्या मामले की जांच को कोर्ट 2019 के आम चुनाव तक टाल दे। 2008 में तत्कालीन यूपीए सरकार ने इस मामले में हलफनामा दाखिल कर सेतु समुद्रम परियोजना के लिए राम सेतु को तोड़ कर तय वर्तमान मार्ग से ही लागू किये जाने पर जोर देते हुए कहा था कि भगवान राम के अस्तित्व में होने के बारे में कोई पुख्ता साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। ये भी कहा था कि रामायण महज कल्पित कथा है। हिंदू विरोध की भावना कांग्रेस के डीएनए में है। आजादी के बाद प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार ने पहली लोकसभा में 1955-56 में हिंदू कोड बिल्स पास किए। इस बिल को लेकर डॉ. राजेंद्र प्रसाद और पंडित जवाहर लाल नेहरू के बीच राजनीतिक मतभेद उत्पन्न हो गया था। इसकी एक बड़ी वजह दोनों का धर्म को लेकर रवैया था। वर्ष 1976 में इंदिरा ने देश में आपातकाल के दौरान प्रस्तावना में संशोधन किया, जिसमें सेक्युलर शब्द शामिल किया गया था। जिसका मतलब था कि भारत हिन्दू देश होते हुए भी हिन्दू देश नहीं कहा जा सकता। 1991 में लागू किया गया यह प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट कहता है कि 15 अगस्त 1947 से पहले अस्तित्व में आए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जा सकता। यह कानून तब लाया गया जब राम मंदिर आंदोलन अपने चरम सीमा पर था। स्वतंत्रता के बाद से वंदे मातरम राष्ट्रगान है। इसे लेकर कहा जाता है कि जवाहरलाल नेहरू ने इसका विरोध किया था। उन्होंने इसे मुसलमानों के विरोध में बताया था। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कार्यकाल में तत्कालीन शिक्षा मंत्री मोहम्मद करीम छागला राज्यसभा में एक प्रस्ताव लाये थे जिसमें काशी हिंदू विश्वविद्यालय से हिंदू शब्द हटाने की बात कही गई थी, जबकि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से मुस्लिम शब्द हटाने की बात नहीं थी। इसके विरोध में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने बेनियाबाग मैदान में 1965 में सभा की थी। साल 1966 को गोहत्या रोकने के लिए कानून बनाने की मांग कर रहे निहत्थों संतों पर इंदिरा गांधी सरकार ने गोलियां चलवाई थी। वर्ष 1976 में इंदिरा ने देश में आपातकाल के दौरान प्रस्तावना में संशोधन किया, जिसमें सेक्युलर शब्द शामिल किया गया था। जिसका मतलब था कि भारत हिन्दू देश होते हुए भी हिन्दू देश नहीं कहा जा सकता। वक्फ बोर्ड के पास इतनी असीमित ताकतें दी गई हैं कि वो तमिलनाडु के तिरुचेंथुरई में स्थित एक 1500 साल पुराने मंदिर समेत पूरे गांव पर ही दावा ठोक सकता है। वक्फ बोर्ड के पास भारतीय सेना और रेलवे के बाद सबसे बड़ी मात्रा में जमीन है। नवंबर 2004 में कांग्रेस के सत्ता में आने के कुछ महीनों के अंदर ही दिवाली के मौके पर कांची कोटि पीठ के शंकराचार्य जयेंद्र सरस्वती को हत्या के एक केस में गिरफ्तार करवाया गया। यूपीए सरकार के दौरान मालेगांव ब्लास्ट मामले में उत्तर प्रदेश के मौजूदा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत को फंसाने की साजिश रची गई थी। समझौता ब्लास्ट केस में पाकिस्तानी आतंकवादी पकड़ा गया था, उसने अपना गुनाह भी कबूल किया था, लेकिन महज 14 दिनों में उसे चुपचाप छोड़ दिया। इसके बाद इस केस में स्वामी असीमानंद को फंसाया गया। साल 2006 में मनमोहन सिंह ने कहा कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। 16 मई, 2016 को तीन तलाक पर सुप्रीम कोर्ट में चल रही थी। सुनवाई के दौरान कांग्रेस नेता और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के वकील कपिल सिब्बल ने तीन तलाक और हलाला जैसी घटिया परंपराओं की तुलना भगवान राम के अयोध्या में जन्म से कर डाली। 2016 में उत्तराखंड में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने हर शुक्रवार मुस्लिमों को 90 मिनट का अतिरिक्त अवकाश देने का निर्णय किया। कांग्रेस सरकार ने ही हज पर जाने वाले मुसलमानों को सब्सिडी देने की शुरुआत की थी। दुनिया में किसी और देश में यह नियम कानून नहीं था। कांग्रेस ने अमरनाथ यात्रा पर टैक्स लगाया। जुलाई, 2009 को राहुल गांधी ने अमेरिकी राजदूत टिमोथी रोमर से कहा था, 'भारत विरोधी मुस्लिम आतंकवादियों और वामपंथी आतंकवादियों से बड़ा खतरा देश के हिन्दू हैं।' राहुल गांधी के बयान मंदिर जाने वाले छेड़खानी करते हैं, को भला कौन भूल सकता है। साल 2018 में तुगलक लेन स्थित अपने निवास पर राहुल गांधी ने लगभग दो घंटे तक मुस्लिमों नेताओं के साथ बैठक की। इस दौरान मुस्लिम नेताओं ने राहुल से आपत्ति दर्ज कराई और कहा कि आप तो सिर्फ मंदिर जा रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने तो मुसलमानों को भुला ही दिया है। मुस्लिम नेताओं की बात सुनकर राहुल गांधी ने कहा कि मैं कर्नाटक में कई मस्जिदों में भी गया हूं। अब मस्जिदों में लगातार जा रहा हूं। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन में शामिल घटक दलों के कई नेता राम मंदिर और सनातन धर्म पर आपत्तिजनक बयानबाजी कर रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस नेतृत्व की चुप्पी पूरे हिंदू समाज को अखरती है। इससे यह संदेश भी जाता है कि अर्नगल बयानबाजी करने वालों को आलाकमान का समर्थन और मूक सहमति प्राप्त है। वास्तव में, सोमनाथ से अयोध्या तक कांग्रेस का चरित्र बिल्कुल भी बदला नहीं है। आम चुनाव सिर पर हैं। बड़ी सभांवना इस बात की है कि आने वाले दिनों में मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए कांग्रेस अपने मूल चरित्र का बढ़-चढ़कर प्रदर्शन करेगी।

-आशीष वशिष्ठ

बकायेदारों और सरकारी जमीन कब्जा मुक्त कराने मे किसी प्रकार की ढिलाई ना बरती जाये- प्रेरणा शर्मा,डीएम,हापुड़

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। जनपद में कर करेत्तर, राजस्व कार्यों के निर्धारित लक्ष्यों को समय से पूरा करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा ने कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष वसूली करने तथा समस्त उप जिलाधिकारियों को वसूली के संबंध में नियमित रूप से बैठक करने के निर्देश दिए साथ ही जिलाधिकारी ने निर्धारित लक्ष्यों को ससमय लक्ष्य को पूरा करने के लिया सभी अधिकारी अपने अधीनस्थ के साथ बैठक करने के लिए कहा व विभागीय अधिकारियों को आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों व लम्बित सन्दर्भों का गुणवत्तापूर्ण एवं ससमय निस्तारण करने के निर्देश के साथ कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाये जाने पर कड़ी कार्यवाही अमल में लायी जायेगी और किसी भी दशा में प्राप्त सन्दर्भ डिफाल्टर की श्रेणी में नही आना चाहिए। सभी अधिकारी समय-समय पर पोर्टल पर सन्दर्भों को चेक करते रहे जिससे कि कोई भी प्रकरण लम्बित व डिफाल्टर की श्रेणी में न आये और राजस्व वसूली तथा अन्य संदर्भ को सीएम पोर्टल से जोड़ दिया गया है जिससे जनपद की रैंकिंग निर्धारित होती है अतः राजस्व वसूली में तेजी लाएं। जिलाधिकारी ने राजस्व वाद जैसे धारा 67, धारा 116, धारा 80, धारा 24 आदि के निस्तारण मे तेजी लायी जाये। जिलाधिकारी ने मुख्य देय, विविध देयों की वसूली, कर करेत्तर तथा राजस्व कार्यो की विभागवार समीक्षा करते हुए मानक के अनुसार निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति शत-प्रतिशत करना सुनिश्चित करें। साथ ही अभियान चलाकर प्रर्वतन के माध्यम से मानक के अनुरूप वसूली करने के निर्देश दिए साथ ही तहसील के दस बड़े बकायदारों से राजस्व वसूली के लिया अभियान चलाने के निर्देश दिए तथा बकायेदारों और सरकारी जमीन कब्जा को मुक्त कराने मे किसी प्रकार की ढिलाई ना बरती जाये। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी ज्योत्सना बंधु, उप जिलाधिकारी हापुड़, उप जिलाधिकारी गढ़, तहसीलदार गढ़, तहसीलदार हापुड़, जिला आबकारी अधिकारी, खनन अधिकारी, तथा अन्य विभागीय अधिकारी व कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

प्रधान का बेटा बिहार में बना हिंदी का शिक्षक

द अचीवर टाइम्स अनुज कुमार

अतरौली हरदोई। विकास खण्ड की ग्राम पंचायत महामदापुर की प्रधान कुशमा देवी के बेट ने बिहार में लोकसेवा आयोग के तहेत परीक्षा पास करके हिंदी विषय में शिक्षक पद पर चयन हुआ प्रधान ने बताया कि बेटा निलेश कुमार गोस्वामी पुत्र स्वर्गीय ज्ञानगिरी गोस्वामी बिहार लोकसेवा आयोग के अंतर्गत परीक्षा में 35वी रैंक में आया और हिंदी अध्यापक के पद पर चयन हुआहै निलेश कुमार गोस्वामी ने। कक्षा पांच तक गांव के प्राथमिक विद्यालय झाझौली में पढ़ाई करके आगे बढ़ा है

विशेष लोक अदालत में लोग अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपने मामलों को सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित कराये-छाया शर्मा

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। 22,23,24 जनवरी को 138 एन.आई. एक्ट व 29,30 व 31 जनवरी 2024 को विद्युत अधिनियम, 2003 के संबंध में आयोजित विशेष लोक अदालतों के सफल आयोजन के लिए समीक्षा बैठक जनपद न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मलखान सिंह की अध्यक्षता में जनपद न्यायालय के सभी दाण्डिक न्यायिक मजिस्ट्रेट के साथ आयोजित की गई। बैठक का संचालन नोडल अधिकारी अपर जिला जज, हापुड़ डॉ0 रीमा बंसल की देखरेख में अपर जिला जज व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण छाया शर्मा द्वारा किया गया तथा डॉ0 रीमा बंसल द्वारा अधिक से अधिक वादों के निस्तारण पर चर्चा की, उन्होंने 138 एन.आई. एक्ट से संबंधित एवं न्यायालयों में लम्बित वादों में से चिन्हांकित वादों को निस्तारित करने पर चर्चा कर कहा प्री-ट्रायल की बैठकों में मामलों को चिन्हित कर, सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास करें। तो वही अपर जिला जज व सचिव छाया शर्मा द्वारा कहा कि 22,23 व 24 जनवरी को 138 एन.आई. एक्ट के लम्बित विवादों से संबंधित विशेष लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपने मामलों को सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित कराये। उन्होंने बताया गया कि 29,30 व 31 जनवरी को विद्युत अधिनियम, 2003 के लम्बित वादों की विशेष लोक अदालत का आयोजन भी होगा। जिसमें उपभोग्ता वादों का निस्तारण करा सकते हैं। बैठक में विकास कुमार सिंह मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हापुड़, सोनाली रतना अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हापुड़, प्रतिभा भाग्यश्री न्यायिक मजिस्ट्रेट-प्रथम हापुड़, विश्वनाथ प्रताप सिंह सिविल जज (जू0डि0) द्वितीय हापुड़,धर्मेन्द्र भारती सिविल जज (जू0डि0)/एफ.टी.सी. प्रथम हापुड़, तन्वी सिंह अपर सिविल जज (जू0डि0) प्रथम हापुड़, दीपक गौतम अपर सिविल जज (जू0डि0) द्वितीय हापुड़ व अन्य न्यायिक मजिस्ट्रेट उपस्थित रहे।

एक नज़र

धूमधाम से मनाया गया भारतीय किसान मजदूर जन सेवा यूनियन का प्रथम दिवस

द अचीवर टाइम्स अभिषेक राजपूत

हरदोई। भारतीय किसान मजदूर जन सेवा यूनियन के प्रथम स्थापना दिवस के अवसर पर जिला कार्यालय पर हरदोई में जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा लवकुश कुमार के द्वारा लड्डू भोज द्वारा कार्यक्रम किया गया जिसमें संगठन के विषय में चर्चा की गई तथा कई लोगों को सदस्यता ग्रहण कराई गई भारतीय किसान मजदूर जन सेवा यूनियन के राष्ट्रीय नेतृत्व के अनुसार देश के प्रत्येक प्रदेश तथा जिला मुख्यालय पर संगठन के पद अधिकारियों सदस्यों के द्वारा अपने जिला मुख्यालय पर प्रथम स्थापना दिवस मनाया जाने का अनुचित हुआ था इस कार्यक्रम पर जनपद हरदोई के जिला कार्यालय पर प्रथम दिवस धूमधाम से मनाया गया और संगठन का विस्तार किया गया इस अवसर पर जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा लवकुश कुमार युवा जिला मंत्री अमित कुमार युवा ब्लॉक अध्यक्ष शोभित बाजपेई युवा तहसील अध्यक्ष खुशीराम प्यारेलाल आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे

वॉल पेंटिंग कर मुस्लिम क्षेत्रों में खिलाया भाजपा का कमल

❖ अल्पसंख्यक समुदाय किसी के बहकावे में ना आकर भाजपा को मजबूत करेगा-मो दानिश कुरेशी।

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। भारतीय जनता पार्टी के निर्वतमान जिला अध्यक्ष एडवोकेट उमेश राणा के द्वारा अल्पसंख्यक मुस्लिम बस्तियों आवास विकास कालोनी बुलन्दशहर रोड व सिकंदर गेट, मोती कालोनी आदि में भी वॉल पेंटिंग कर भाजपा का कमल खिलाया गया तो वही एडवोकेट उमेश राणा ने कहा कि एक बार फिर से मोदी सरकार% के स्लोगन के साथ भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता लोकसभा क्षेत्र के हर बूथ पर स्वयं उपस्थित रहकर पार्टी का कमल का फूल व फिर एक बार मोदी सरकार लिखकर दीवारो पर स्वय वाल पेंटिग कर आम जन? को जागरूक कर इस कार्यक्रमो को सफल बनाएंगे तथा कार्यक्रम आयोजक भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मो दानिश कुरेशी ने कहा कि सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास, सबका- विश्वास% के साथ बिना भेदभाव के सरकार कार्य कर रही है क्योंकि सबसे ज्यादा फायदा अल्पसंख्यक समुदाय का मोदी व योगी की सरकार ने किया और इस बार अल्पसंख्यक समुदाय किसी के बहकावे में ना आकर भारतीय जनता पार्टी को मजबूत करेगा।

इस मौके पर सेक्टर संयोजक कामरान खान, बूथ अध्यक्ष नदीम अली, चांद अल्वी, डा दिलशाद अली, सिफतैन कुरैशी, नाजिम चौधरी, वसीम,शाहनावाज, नईम अब्बासी, मौ अहमद,वीरेंद्र कुमार तेवतिया, राजीव, आशीष राणा, शमशाद अंसारी आदि सम्मानित लोग व पदाधिकारी उपस्थित रहे,

ग्राम प्रधान व विकासखंड के अधिकारियों ने 10 परिवारों को रास्ता देने के लिए अधिकारियों ने ग्राम प्रधान की देख-रेख में लगवाया

द अचीवर टाइम्स करुणा सागर

लखीमपुर खीरी। नीमगांव थाना क्षेत्र की बेहजम पुलिस चौकी के अंतर्गत कुछ दिन पहले एक मामला जोर-जोर से उजागर हुआ था जिसमें 10 परिवारों को निकालने के लिए नहीं था रास्ता ग्राम प्रधान व विकासखंड के अधिकारियों ने 10 परिवारों को रास्ता देने के लिए अधिकारियों ने ग्राम प्रधान की देख-रेख में लगवाया था खड़ंजा उसे खड़ंजे को पास के ही दबंग व्यक्ति अपने बेटे के साथ लगे हुए खड़ंजे को उखाड़ फेंकते हैं जब बेहजम चौकी प्रभारी बाप बेटों को प्रधान व विकासखंड अधिकारी की शिकायत पर पकड़ कर चौकी लाते हैं और 151 में चालान कर देते हैं उसके बाद में प्रधान से व्यक्तिगत राजनीतिक रंजिश रखने वाले लोगों ने सोशल मीडिया के माध्यम से एक मैसेज वायरल किया जिसमें यह लिखा की चौकी प्रभारी बेहजम ने एक नाबालिग बच्चे का चालान कर दिया सोशल मीडिया के इस मैसेज से जिले को एक गलत मैसेज मिला उसे दिन वह नाबालिक था मामला आज रात का है जब बाप बेटे ने मिलकर के 10 परिवारों के लिए बनाई गई रास्ते पर लगा हुआ खड़ंजा पूरी रात में उखाड़ कर फेंक दिया अब इनके खिलाफ कौन सी करें कार्रवाई नीमगांव पुलिस क्योंकि यह जो ठहरे नाबालिग।

सरकार आमजन के सुख दुख में जनता के साथ खड़ी है- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री,भारत

❖ विकसित भारत संकल्प यात्रा के समापन पर प्रधानमंत्री मोदी का कार्यकर्ताओं को वर्चुअल संबोधन

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। विकसित भारत संकल्प यात्रा का सफलतापूर्वक समापन के अवसर पर कल प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यकर्ताओं से वर्चुअल बातचीत करते हुए कहा कि जिस प्रकार पूरे भारत में विकसित भारत संकल्प यात्रा को अपार जन समर्थन मिला और सभी लाभार्थियों ने इस यात्रा में सम्मिलित होकर यह संदेश दिया कि आमजन और लाभार्थी सभी सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं और सरकार आमजन के सुख दुख में जनता के साथ खड़ी है साथ ही लाभार्थियों से भी बात की सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारी ने यह कार्यक्रम गोयना ब्लॉक पर सुना। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर,जिला अध्यक्ष नरेश तोमर, विधायक विजयपाल आढती, विधायक हरेंद्र तेवतिया, ममता तेवतिया, राजीव सिरोही, सुनील वर्मा, प्रफुल्ल सारस्वत, मोहन सिंह, जिनेंद्र चौधरी, हेमंत त्यागी,अलका निम, अमित शर्मा, राजीव शर्मा, विकास शर्मा ,सौदान सिंह, अनिरुद्ध कस्तला विक्रम तोमर व दीपक भाटी आदि लोग उपस्थित रहे।

पैनटोन कलर ऑफ द इयर पीच फज़ के साथ मोटोरोला रेजर40 अल्ट्रा और ऐज40 नियो

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। मोटोरोला ने भारत में जीवनशैली प्रौद्योगिकी को बदलते हुए वर्ष 2024 के पैनटोन कलर ऑफ द इयर, पीच फज़ के साथ मोटोरोला रेजर40 अल्ट्रा और ऐज40 नियो को लॉन्च किया है। इसकी बिक्री वर्ष 2024 के पैनटोन कलर ऑफ द इयर पीच फज़ के साथ अमेज़न और फ्लिपकार्ट पर आज 12 जनवरी से शुरू हो गयी है। मोटोरोला रेजन40 अल्ट्रा दुनिया का सबसे बड़ा, बाहरी डिस्प्ले के साथ, सबसे लेटेस्ट फ्लिप फोन है। यह आज 12 जनवरी से अमेजन, मोटोरोला डॉट इन और प्रमुख रिटेल स्टोर्स पर 69,999 रुपये की विशेष सीमित अवधि की कीमत पर उपलब्ध हो गया। मोटोरोला ऐज40 नियो आईपी68 रेटेड अंडरवाटर प्रोटेक्शन और 144हर्टज 10-बिट कर्व्ड डिस्प्ले वाला दुनिया का सबसे हल्का फोन है। इस वर्ष, चुने गए रंग पैनटोन 13-1023 पीच फ़ज़, के साथ पैनटोन कलर ऑफ द ईयर कार्यक्रम की 25वीं वर्षगांठ है। एक मखमली कोमल पीच रंग, पीच फज़ की एक आदर्श आभा है, जो एकजुटता, समुदाय और सहयोग की भावनाओं को अभिव्यक्त करती हैं। नए वर्ष का रंग, पैनटोन 13-1023 पीच फ़ज़, मोटोरोला के समावेश और प्रौद्योगिकी को सभी के लिए अधिक पहुच योग्य बनाने के साथ खूबसूरती से मेल खाता है। जबकि प्रौद्योगिकी मानवता के साथ जुड़ जाती है, हम रंग पर भरोसा करते हैं कि यह हमें अभिव्यक्ति और अपने डिवाइस के साथ और भी गहराई में और अधिक सार्थक अनुभवों के लिए एक उपकरण प्रदान करने में मदद करेगा। वर्ष 2024 का रंग हमारी आभासी दुनिया को गर्मजोशी, एकजुटता और करुणा की हमारी चाहत के साथ सहजता से एकीकृत करके इसे पूरा करता है। मोटोरोला रेजर40 अल्ट्र और मोटोरोला ऐज 40 नियो को लॉन्च होने वाले दुनिया के पहले स्मार्टफोन के रूप में चुना गया है, जो इस रंग को अपनाते हैं और डिवाइस की तरह ही मानवीय कनेक्शन के महत्व पर जोर देते हैं। पैनटोन के साथ यह सहयोग प्रौद्योगिकी को अधिक सुलभ बनाने और उपभोक्ताओं को प्रौद्योगिकी के माध्यम से उद्देश्यपूर्ण ढंग से जुड़ने के लिए सशक्त बनाने के मोटोरोला के मिशन को मजबूत करता है। कनेक्टिविटी और सहयोग के लिए तैयार किया गया, पीच फ़ज़ में नया मोटोरोला रेजर40 अल्ट्रा स्टाइलिश और अभिव्यक्ति युक्त लोगों को भीड़ से अलग दिखने में सक्षम बनाता है। अपने प्रतिष्ठित फ़्लैपेबल डिज़ाइन की विशेषता के साथ, रेजर40 अल्ट्रा में प्रभावशाली 144हर्टज रिफ्रेश रेट और 1100निट्स की पीक ब्राइटनेस के साथ दुनिया का सबसे बड़ी बाहरी 3.6-इंच पोलेड डिस्प्ले है। फोल्ड होने पर यह फ्लिप फोन असाधारण रूप से पतला हो जाता है और एक गैपलेस डिजाइन को प्रदर्शित करता है, इसके उद्योग-अग्रणी डुअल-एक्सिस टियरड्रॉप हिंज डिजाइन के कारण, यह कई एक्सिस पर लचीलेपन को सुनिश्चित करता है। जब इसे खोला जाता है, तो इस फ़ोन में एक लगभग क्रीज़ रहित 6.9 इंच पोल्ड डिस्प्ले देखने को मिलता है जिसमें 165हर्टज तक की रिफ़्रेश रेट और 1400निट्स की पीक ब्राइटनेस होती है। यह प्रतिष्ठित फ्लिप फोन एक शक्तिशाली स्नैपड्रैगन 8प्लस जेन 1 एसओसी से लैस है, जो एक सहज अनुभव को सुनिश्चित करता है। रेजर40 अल्ट्रा पीढ़ियों को अतीत से बाहर ले जाता है और उनका ध्यान आकर्षित करता है, जो वर्ष 2024 के सामंजस्यपूर्ण पैनटोन रंग का उदाहरण है। रेजर40 अल्ट्रा नई पीढ़ी के लिए है और यह उनका ध्यान आकर्षित करता है, जो वर्ष 2024 के सामंजस्यपूर्ण पैनटोन रंग का उदाहरण है।

फ्लिपकार्ट अवार्ड्स का हुआ वार्षिक आयोजन, फ्लिपकार्ट ने टॉप सेलर्स को किया सम्मानित

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। भारत के घरेलू ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट ने नई दिल्ली स्थित सिरी फोर्ट ऑडिटोरियम में आयोजित फ्लिपस्टार्स 2023 के दौरान अपने सेलर्स को सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा, फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉरपोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार और श्रीमती लारा दत्ता एवं अमित त्रिवेदी जैसे कलाकार भी उपस्थित रहे। पुरस्कार समारोह का संचालन अभिनेता अपारशक्ति खुराना ने किया। फ्लिपकार्ट अवार्ड्स एक वार्षिक आयोजन है जिसमें फ्लिपकार्ट से जुड़े सेलर्स की उपलब्धियों को सामने रखा जाता है और उनकी सफलता का जश्न मनाया जाता है। ये पुरस्कार अपने ग्राहकों की मांग को पूरा करने की दिशा में सेलर्स के प्रयासों को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और इससे उनके कारोबार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। देशभर से 750 से ज्यादा सेलर्स ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने कार्यक्रम की मेजबानी की। यह आयोजन फ्लिपकार्ट के प्लेटफॉर्म पर उल्लेखनीय सफलता पाने वालों की उपलब्धि का जश्न है। फ्लिपकार्ट के हेड ऑफ मार्केट प्लेस राकेश कृष्णन ने कहा भारत के घरेलू मार्केटप्लेस के तौर पर हम अपने स्थानीय सेलर्स की जरूरतों एवं उनकी महत्वाकांक्षाओं को समझते हैं। हमारा मिशन सतत रूप से सकारात्मक बदलाव लाना और उद्यमियों को सफलता के उनके सफर में सहयोग प्रदान करना है। मैं सभी सेलर्स का हृदय से आभार जताता हूं, जो देशभर में हमारे ग्राहकों को सुगम शॉपिंग का अनुभव देने और उत्पादों की विविध रेंज डिलीवर करने की हमारी प्रतिबद्धता को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। एक मार्केटप्लेस प्लेटफॉर्म के रूप में साथ मिलकर हमने जो उपलब्धि हासिल की है, उस पर हमें गर्व है। हम आगामी वर्षों में और भी उपलब्धियां हासिल करेंगे।

पुरस्कार समारोह के दौरान भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने कहा फ्लिपस्टार्स 2023 अवार्ड्स भारतीय ई-कॉमर्स की दुनिया में उल्लेखनीय योगदान दे रहे फ्लिपकार्ट से जुड़े सेलर्स के समर्पण एवं उनकी श्रेष्ठता को दिखाता है। फ्लिपकार्ट पर 14 लाख सेलर्स का जुड़ना वास्तव में सराहनीय है, जो भारत में एमएसएमई के विकास में योगदान दे रहे हैं। एमएसएमई का योगदान हमारे आर्थिक परिदृश्य और देश में लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने की दिशा में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को दिखाता है। इन उद्यमियों की सफलता को पहचानने और उसका उत्सव मनाने की दिशा में फ्लिपकार्ट की प्रतिबद्धता का साक्षी बनना खुशी की बात है। सरकार आर्थिक विकास एवं इनोवेशन को बढ़ावा देने वाले ऐसे कदमों की सराहना करती है। हम फ्लिपस्टार्स विजेताओं को बधाई देते हैं और अन्य लोगों को भी डिजिटल क्रांति को अपनाने व अपने कारोबार को नई ऊंचादयों तक ले जाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। केसी आर्ट्स, जयपुर के मालिक राहुल कुमावत ने इस सम्मान के लिए चुने जाने पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा ऐसे प्रतिष्ठित लोगों के बीच फ्लिपस्टार 2023 के रूप में चुने जाने से मैं उत्साहित हूं। मैं अपनी सफलता का श्रेय अपने पूरे सफर में फ्लिपकार्ट की ओर से मिले अनवरत सहयोग को देता हूं। उनके भरोसे ने मुझे अपने कारोबार को नई ऊंचाई तक पहुंचाने में मदद की। मैं उम्मीद करता हूं कि ज्यादा से ज्यादा सेलर्स अपने कारोबार को ऑनलाइन करने एवं डिजिटल क्रांति का हिस्सा बनने के अवसर को पहचानें।

2023 में बिग बिलियन डेज से पहले फ्लिपकार्ट ने अपने प्लेटफॉर्म पर सेलर्स को ध्यान में रखकर कई नीतियां पेश की थीं, साथ ही देशभर में सेलर कॉन्क्लेव का आयोजन किया था, जो सेलर्स के लिए इस इंडस्ट्री में अपनी तरह का नया अनुभव रहा। श्रिप्लफकार्ट एजश् के तीसरे चरण की लॉन्चिंग ने सेलर्स को ई-कॉमर्स की क्षमताओं का लाभ लेते हुए अपने विकास की गति को बढ़ाने में सक्षम बनाया। इन पॉलिसीज में प्रमोशन, रिवार्ड्स प्लेटफॉर्म, फुलफिलमेंट एवं स्पीड इनीशिएटिव्स और गाइडेंस असिस्टेंस जैसे कदम शामिल हैं। इनका लक्ष्य ज्यादा स्पष्टता, नियंत्रण एवं पारदर्शिता के साथ सेलर्स के पूरे इकोसिस्टम को सशक्त करना है। इनसे फ्लिपकार्ट प्लेटफॉर्म पर कॉस्ट इफिशिएंसी बढ़ाने और कारोबार के संचालन को ज्यादा सस्टेनेबल यानी पर्यावरण के अनुकूल बनाने में मदद मिली। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित हस्तियों ने लाइफस्टाइल, बुक्स एंड जनरल मर्चेंडाइज, होम, इलेक्ट्रॉनिक्स, फर्नीचर एवं अन्य अलग-अलग श्रेणियों में उपलब्धियों के लिए सेलर्स को सम्मानित किया। सेलर्स के परफॉर्मेंस को आंकने के लिए मेट्रो और टियर 2 एवं टियर 3 शहरों में उनके सेल्स वॉल्युम एवं यूनिट्स की बिक्री तथा अलग-अलग जोन (उत्तर, पश्चिम, पूर्व एवं दक्षिण) में उनके प्रदर्शन का विश्लेषण किया गया। इसके अतिरिक्त, मेक इन इंडिया और समर्थ विनर जैसी श्रेणियों के तहत सेलर्स को उनके कारोबार के जरिये समाज पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव के आधार पर भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्लेटफॉर्म पर सेलर्स की शानदार प्रगति को सबके समक्ष रखा गया। साथ ही उपभोक्ताओं एवं बड़े पैमाने पर समाज की बदलती जरूरतों को पूरा करने की दिशा में उनके सतत प्रयासों की झलक भी दिखी।

फ्लिपस्टार्स 2023 कार्यक्रम के दौरान अग्रणी डी2सी ब्रांड्स के प्रतिनिधियों के साथ परिचर्चा का भी आयोजन किया गया। परिचर्चा को इंडस्ट्री से जुड़े तथ्यों एवं किसी का अपना ब्रांड विकसित होने के महत्व पर केंद्रित किया गया तथा सेलर्स को इंडस्ट्री के एक्सपर्ट लोगों से टिप्स भी पाने का मौका मिला। समावेशी विकास को लेकर अथक प्रतिबद्धता के साथ फ्लिपकार्ट ने पूरी वैल्यू चेन में विकास एवं समृद्धि के लिए उत्प्रेरक की भूमिका निभाई है। लोगों को प्राथमिकता पर रखने वाले प्लेटफॉर्म के रूप में फ्लिपकार्ट ने कारोबार के अनुकूल नीतियों के साथ संबंधित पक्षों को सशक्त किया है। हम मजबूत और टेक्नोलॉजी द्वारा संचालित एमएसएमई इकोसिस्टम विकसित करने में योगदान दे रहे हैं।

पीजीआई मे वर्ष 2023 में 1000 से अधिक प्रमुख सर्जरी का जश्न

संवाददाता रघुनाथ सिंह

द अचीवर टाइम्स। लखनऊ
एपेक्स ट्रॉमा सेंटर के सेमिनार हॉल में स्पेशलिटी ऑफ ऑर्थोपेडिक्स द्वारा एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई बैठक में फैकल्टी ऑर्थोपेडिक्स, सीनियर रेजिडेंट्स, जूनियर रेजिडेंट्स, नर्सिंग ऑफिसर और सभी संबद्ध कामकाजी कर्मचारी उपस्थित थे जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में ऑर्थोपेडिक रोगियों की देखभाल में शामिल हैं। यह सभा महत्वपूर्ण महत्व रखती है क्योंकि इसने हमारे संगठन के भीतर सहयोग, पारदर्शिता और साझा उद्देश्य की भावना को बढ़ावा दिया है क्योंकि हमने वर्ष 2023 की उल्लेखनीय उपलब्धियों पर चर्चा की और जश्न मनाया और हमारी रोमांचक भविष्य की योजनाओं की रूपरेखा तैयार की।

2023 की प्रमुख उपलब्धियाँ-

❖बाह्य रोगी सेवाएँ- सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए 11,572 रोगियों को बाह्य रोगी सेवाएँ प्रदान की गई।

❖ऑपरेटिव प्रक्रियाएं- 1,000 से अधिक प्रमुख ऑपरेटिव प्रक्रियाओं का संचालन किया गया, जो एसजीपीजीआई (14,000) में कुल सर्जरी का 7त्न योगदान देता है।

❖अकादमिक बोर्ड और गवर्निंग बॉडी द्वारा पीडीसीसी पेल्विस हिप और घुटने की चोटों की दो सीटों की मंजूरी।

शैक्षणिक और जन जागरूकता पहल- ❖ बुजुर्ग आबादी में दर्दनाक मस्कुलो-कंकाल की चोटें÷ विषय पर एक अच्छी उपस्थिति वाली सीएमई का आयोजन किया गया। जिसमें जेरियाट्रिक ऑर्थो ट्रॉमा के मरीजों के प्रबंधन में आने वाली चुनौतियों और उनके संभावित समाधानों पर चर्चा की गई

❖आघात स्थल पर सड़क यातायात दुर्घटना पीड़ित के प्रबंधन के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए, हड्डी और जोड़ दिवस के अवसर पर ÷बुनियादी जीवन रक्षक कौशल÷ पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

❖पहले एसजीपीजीआई आर्थ्रोस्कोपी कोर्स की सफलतापूर्वक मेजबानी की। एटीसी में यह पहली बार था कि किसी कार्यशाला के दौरान सर्जरी का सीधा प्रसारण किया गया। डॉ. पल्लव मिश्रा, प्रोफेसर, स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर, सफदरजंग, दिल्ली ने सर्जिकल प्रक्रियाओं की समझ को समेकित किया और वास्तविक समय में निर्णय लेने में अंतर्दृष्टि प्रदान की।

❖ ट्रॉमा सेटअप में प्लास्टर लगाने की भूमिका और तकनीक के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए ÷प्लास्टर लगाने के सिद्धांत और तकनीक÷ पर एक सीएमई और कार्यशाला आयोजित की गई।

❖एटीसी के ओपीडी क्षेत्र में आयोजित जन जागरूकता कार्यक्रम-

❖ विश्व गठिया दिवस - 12 अक्टूबर, 2023

❖ विश्व आघात दिवस - 17 अक्टूबर, 2023

❖ विश्व ऑस्टियोपोरोसिस दिवस, एटीसी में ऑर्थोपेडिक ओपीडी में आने वाले सभी रोगियों को निःशुल्क बीएमडी प्रदान किया जाएगा - 20 अक्टूबर, 2023

पीजीआई अनुसंधान एवं पुरस्कार

❖ एटीसी में पहला आईसीएमआर वित्त पोषित एक्सट्रूमरल प्रोजेक्ट (पीआई डॉ. पुलक शर्मा)

❖ एटीसी में पहला ड्रग ट्रायल (पीआई डॉ. पुलक शर्मा)

❖ प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में एक दर्जन से अधिक प्रकाशन।

प्रतिष्ठित एओ ट्रॉमा फ़ेलोशिप और ढ्रुस्यक्र ट्रैवलिंग फ़ेलोशिप (डॉ. कुमार केशव)

❖ डॉ. पुलक शर्मा को प्रथम खेलो इंडिया पैरा-गेम्स, नई दिल्ली 2023 में मुख्य क्लासिफायर पैरा-बैडमिंटन के रूप में नामांकित किया गया था।

सातवीं. मीडिया मान्यता-

❖ 60 किग्रा वर्ग के तहत राज्य स्तरीय कुश्ती चैंपियन ने आर्थोस्कोपिक घुटने की सर्जरी की, जिसके बाद उन्हें अपने लक्षणों से राहत मिली और 8 सप्ताह में प्रशिक्षण पर वापस चले गए।

❖ एक 80 वर्षीय महिला मरीज की सह-रुग्णता और उम्र के कारण कई अस्पतालों द्वारा मना किए जाने के बावजूद एटीसी, एसजीपीजीआई में उसके कूल्हे की जटिल सर्जरी की गई।

आयोजन की सफलता और निष्कर्ष-

कार्यक्रम का समापन एक फोटो सत्र के साथ हुआ, जिसमें सहयोग और ज्ञान साझा करने के यादगार पलों को कैद किया गया। सभी संकाय, निवासियों और कर्मचारियों को हार्दिक धन्यवाद दिया गया, जिन्होंने भाग लिया और अपने बहुमूल्य दृष्टिकोण साझा किए, जिससे यह एक शानदार सफलता बन गई।

सकतापुर के शिवमंदिर 22 जनवरी को होगा अखंड पाठ और भण्डारे का आयोजन

सांकेतिक तस्वीर

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। सकतापुर के शिवमंदिर 22 जनवरी को होगा अखंड पाठ और भण्डारे का आयोजन संसू रुकुंदीपुर (लखीमपुर) सकतापुर गांव में शिव मंदिर में अयोध्या में श्रीराम जी की प्राण 22 जनवरी को है। उसी खुशी में गांव के शिव मंदिर में 22 जनवरी को अखंड पाठ होगा। विकास खंड सदर लखीमपुर ग्राम पंचायत सकतापुर स्थिति शिव जी के मंदिर का जीर्णोद्धार बिजली विभाग इंजीनियर स्व प्रेम मिश्रा के द्वारा 24 जनवरी वर्ष 2014 में हुआ था। 22 जनवरी अयोध्या नगरी में भगवान राम प्रतिष्ठा के अवसर पर सकतापुर स्थिति शिव मंदिर की पुताई,रंगाई,सजाई का कार्य भक्त जितेंद्र अवस्थी उर्फ जीतू द्वारा कराई जा चुकी है। 22 जनवरी से इस मंदिर पर अखंड रामायण का आयोजन किया जायेगा। भक्त शिवपूजन लाल मिश्रा, राजेश अवस्थी,पंकज मिश्रा, सेवा निवृत्त कौशल किशोर मिश्रा, पंडित श्रवण कुमा मिश्रा, सेवा निवृत्त मैनेंजर डीसीबी सत्य प्रकाश बाजपेई और ग्रामीणों के सहयोग से एक विशाल भण्डारे का आयोजन किया जाएगा। जिस भण्डारे में गांव के ही नहीं क्षेत्र के भी लोगों को भोज में आमंत्रित किया गया है।

एक नज़र

बन्द घरों में चोरी करने वाले 2 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया

थाना मड़ियांव प्रभारी शिवानंद मिश्रा के आगे अपराधियों के हौसले हुए पस्त,

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तरी क्षेत्र में थाना मड़ियांव पुलिस ने,2 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया, नाम पता पूछने पर अपना नाम,1 रेहान,नि0 मकान नं,897,5,एल बी, पल्टन छावनी थाना मड़ियांव लखनऊ, 2 जुबैर,नि0 मुरदहिया के पास प्रियदर्शनी कॉलोनी, थाना मड़ियांव लखनऊ, कब्जे से भारी मात्रा में जेवरात व 12670,कुल शगद बरामद किया, इसी क्रम में डीसीपी के दिशा-निर्देश पर गठित की कई टीमें लगातार अपराधियों को धर पकड़ कर रही है। थाना मड़ियांव प्रभारी निरीक्षक शिवानंद मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस ने आरोपीयों को गिरफ्तार कर,मा0 न्यायालय भेजा जा रहा है।

राजधानी में हिंदू मुस्लिम की मिसाल अयोध्या जा रहे लोगों को बांटे गए कंबल

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। आयतुल्लाह हमीदुल हसन के बेटे अयोध्या जा रहे लोग साधुओं को वरिष्ठ शिया धर्मगुरु मौलाना फ़रीदउल हसन प्रेंसपल जामे नाज़मीया ने ठंड से राहत के लिए कंबल वितरण किया और राष्ट्रीय अध्यक्ष अली लॉयन्स सैयद नशीद उल हसन ने कंबल वितरण किया साथ में रियाज़ और मोरीस मौजूद रहे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में सांसद ने किया कार्यक्रम

पसगवां खीरी। लखीमपुर खीरी की तहसील मोहम्मदी क्षेत्र के बरबर क्षेत्र की ग्राम पंचायत सेमराजानीपुर में दिनांक 18 जनवरी 2024 को कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विकसित भारत संकल्प यात्रा स्तरीय कार्यक्रम में सांसद पुत्र अनिमेष पटेल ने बताया कि महिलाओं के लिए हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उज्जवला गैस सिलेंडर महिलाओं कों वितरित किये गये है इसलिए,माननीय रेखा वर्मा के नेतृत्व में कार्यक्रम में सांसद रेखा वर्मा ने बताया की हमारी माता बहनों के लिए हमारी सरकार की बहुत सी योजनाएं है जिसका सीधा लाभ प्राप्त हो रहा है जिसमें सांसद अनिमेष पटेल ने ग्राम पंचायत सेमराजानीपुर में वर्तमान प्रधान संगीता सिहं ने सांसद रेखा वर्मा कों स्मृति चिन्ह भेंट किया वहीं गलरई के प्रदीप मिश्र,बरबर नगर पंचायत से धर्मेश शर्मा लाल बहादुर शास्त्री पूर्व प्रधान अरविन्द सिंह प्रतिनिधि राघवेंद्र सिंह जिलेदार सिंह दिनेश सिहं आदि क्षेत्र के लोग कार्यक्रम में शामिल रहे।

अयोध्या में राम लला प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कस्बा खमरिया में निकाली गई विशाल शोभायात्रा,सुरक्षा के दृष्टिगत भारी पुलिस बल रहा मौजूद

खमरिया खीरी। राम नगरी अयोध्या में 22जनवरी को होने वाले श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के थी बुधवार को कस्बा खमरिया में विशाल शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। धौरहरा विधायक की अगुवाई में कस्बा खमरिया स्थित चंद्र प्रभा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज से शोभा यात्रा का शुभारंभ किया गया । और विशाल जन समुदाय के साथ भगवान श्री राम की झांकी को लेकर कस्बे के प्रमुख मार्गो पर यात्रा निकाली गई । वहीं सुरक्षा के दृष्टिगत थानाध्यक्ष खमरिया निराला तिवारी द्वारा चाक चौबंद व्यवस्था की गई। बसढ़िया चौराहे से लेकर कस्बा खमरिया तक भारी वाहनों के आवागमन पर रोक लगाई गई जिससे शोभा यात्रा के दौरान अव्यवस्था का सामना न करना पड़े।वहीं बसढ़िया चौराहे से खमरिया तक भारी पुलिस बल तैनात रहा। वहीं थाना प्रभारी खमरिया निराला तिवारी अपने दल बल के साथ मौजूद रहे।

श्री राम भक्तो ने व्यापक संपर्क कर शोभायात्रा में प्रतिभाग करने को लेकर किया प्रेरित

लहरपुर सीतापुर। श्री राम जन्मभूमि मंदिर अयोध्या धाम में भगवान श्री राम लला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम 22 जनवरी को भव्य बनाने के उद्देश्य से, बृहस्पतिवार को राम भक्तों ने नगर के मोहल्ला टांडा सालार, मिश्रपुर सहित विभिन्न मोहल्लों के राम भक्तों से व्यापक जनसंपर्क कर इस पावन अवसर पर निकाली जा रही भव्य शोभा यात्रा में प्रतिभाग करने का आग्रह किया। ज्ञातव्य है कि प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर नगर के भोलिया बाबा मंदिर प्रांगण से एक विशाल भव्य शोभायात्रा भगवान श्री राम की सजीव झांकियों के साथ नगर के विभिन्न मार्गों पर निकाली जाएगी, जिसमें भारी संख्या में राम भक्त श्री राम धुन संकीर्तन का जाप करते हुए राम भक्तों से पावन अवसर को भक्तिमय बनाने एवं रात्रि बेला में दीपावली मनाने के लिए विनय करेंगे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उमेश मल्होत्रा, रामे बाजपेई, सुरेश जयसवाल, रामानंद अवस्थी, कमल टंडन, मयंक टंडन, निर्मल पांडे, धर्मेंद्र पांडे सहित भारी संख्या में राम भक्त उपस्थित थे।

अयोध्या को पैदल निकले राम भक्त डीके ठाकुर का पिहानी में हुआ स्वागत

लखीमपुर खीरी। बुलंदशहर से अयोध्या को राम जन्म भूमि को पैदल यात्रा पर निकले सिंगर डीके ठाकुर का पिहानी में उनके प्रशंसकों की ओर से जोरदार स्वागत किया गया। प्रशंसकों को उनके पैदल आने की सूचना

भक्त की रक्षा करने दौड़े चले आते हैं भगवान

संवाददाता

रामकोट-सीतापुर । कस्बा स्थित नागेश्वर धाम मंदिर परिसर में चल रही रुद्र महायज्ञ एवं विराट संत सम्मेलन में कथा के तृतीय दिन कथा सुनने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। कथा सुनने वाले श्रोताओं को महाराज ने भक्ति रस में सराबोर कर दिया। गुरुवार को तृतीय दिन दोपहर रुद्र महायज्ञ कथा में जनपद सीतापुर के नैमिषारण्य से पधारे सुप्रसिद्ध कथा वाचक सुरेश अवस्थी महाराज ने नरसिंह भगवान अवतार और भक्त प्रहलाद की कथा सुनाई। कथा के दौरान उन्होंने कहा भक्ति की रक्षा करने के लिए भगवान दौड़े चले आते हैं। भक्त के प्रति भगवान का स्नेह अपार होता है और भक्त पर भगवान की सदैव कृपा बनी रहती है। ईश्वर अपने भक्तों पर सदा कृपा बनाए रखना है और उन्हें सुख समृद्धि प्रदान करता है। कथावाचक के मुख से कथा के प्रसंग को सुनकर श्रद्धालु मंत्र मुग्ध हो गए। इसके साथ ही भजनों की प्रस्तुति ने भी श्रद्धालुओं का मनमोहन लिया। कथा की शुरुआत पहले वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजा अर्चना की गई। इसके बाद कथा वाचक ने प्रहलाद चरित्र कथा का रसपान भक्तों को कराया। कथा उपरांत यज्ञ आचार्य मोहित अवस्थी ने हवन कराया। जिसमें यजमान ज्ञानेंद्र अवस्थी व सोनी अवस्थी ने हवन व आरती कर क्षेत्र से आए हुए श्रद्धालुओं सहित हवन कुंड की परिक्रमा की।

कलेक्ट्रेट में डीएम ने ली गणतंत्र दिवस की तैयारी बैठक, होंगे विविध कार्यक्रम

❖ 21 एवं 26 जनवरी को सभी सरकारी भवनों पर करें प्रकाश की व्यवस्था - डीएम।

संवाददाता

लखीमपुर खीरी। गुरुवार को डीएम महेंद्र बहादुर सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में गणतंत्र दिवस की तैयारी को लेकर बैठक हुई। बैठक में मुख्य रूप से एसपी गणेश प्रसाद साहा, सीडीओ अनिल कुमार सिंह एडीएम संजय कुमार सिंह सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि 21 जनवरी से 26 जनवरी तक सभी सरकारी इमारतो, कार्यालयो एवं दफ्तरों में लाइटिंग रहेगी। उन्होंने निर्देश दिए कि 21 जनवरी तक सभी सरकारी दफ्तरों में साफ सफाई का विशेष अभियान चलाया जाए। जिसको वह स्वयं देखेंगे। अपेक्षा की कि इस बार के राष्ट्रीय पर्व में गत वर्ष की भांति उत्कृष्ट व गरिमामय कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए। उन्होने कहा कि 26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर होने वाले सभी कार्यक्रम रोचक, आकर्षक, प्रेरणादायक एवं शिक्षाप्रद हो। डीएम ने गणतंत्र दिवस पर गत वर्षो की भांति दिनभर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को स्वीकृति देते हुए उसमें कई अन्य कार्यक्रम भी जोड़े। बैठक में सभी ने अपनी अपनी राय रखी कुछ प्रमुख बिन्दुओ पर चर्चा हुई। डीएम ने आमजनमानस से अपील किया कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक सम्मिलित हों। एडीएम संजय कुमार सिंह ने गणतंत्र दिवस कार्यक्रम को लेकर विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि सभी कार्यक्रमों को पूरी भव्यता और इस दिवस की गरिमा के अनुरूप आयोजित किया जाए। बैठक में स्वयंसेवी संस्थाएं, सभी जिला स्तरीय अधिकारी, समाज के प्रबुद्ध गण मौजूद रहे।

प्रिया डे के छात्र-छात्राओं ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

संवाददाता

रामकोट-सीतापुर। प्रिया डे पब्लिक इंटर कॉलेज भउवापुर मे विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बृहस्पतिवार को मतदाता जागरूकता रैली निकाली। रैली का शुभारंभ सुबह 10ः00 बजे विद्यालय परिसर से किया गया। प्रधानाचार्य सुनीत अग्निहोत्री ने रैली के दौरान गांव में मौजूद लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया और मतदाता बनने के लिए भी जानकारी दी। रैली विद्यालय से होती हुई मुख्य मार्ग से अंदर गांव में घूमकर विद्यालय पर आकर समाप्त हुई। रैली के दौरान छात्र-छात्राओं ने 'सारे काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो', 'जन-जन की यही पुकार, वोट डालो अबकी बार', 'करें राष्ट्र का जो उत्थान, उसको करें हम मतदान' आदि नारे लगाए।

इस दौरान छात्र-छात्राएं स्लोगन लिखी तख्ती लेकर चल रहे थे। छात्र-छात्राओं ने लोगों को मतदान के लिए जागरूक किया। साथ ही उनसे मतदान करने और 18 वर्ष की आयु पूरी करने पर मतदाता बनने की जानकारी भी दी। रैली में प्रधानाध्यापिका अंजू त्रिवेदी, आशीष कुमार त्रिवेदी बाबूजी, वैभव दीक्षित, अमन सिंह, शशांक मिश्रा, अंकुश वर्मा, पुनीत त्रिवेदी, डीएस मिश्रा, सुमित बाजपेई, आदि शिक्षक व कर्मचारी गण मौजूद रहे।

समाज को एक सूत्र में बांधता है समरसता भोज : सुशील कुमार

निर्मल सैनी द अचीवर टाइम्स

लखनऊ।समरसता भोज समाज को एक सूत्र में पिरोने का काम करता है। इसलिए सहभोज का आयोजन महत्वपूर्ण है। हिंदू समाज एकजुट रहेगा, तो राष्ट्रविरोधी शक्तियां भी अपने उद्देश्य में सफल नहीं होंगी। हमारी एकजुटता समाज व देश के विकास को मजबूती प्रदान करेगी उक्त बातें विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के जिला संयोजक सुशील कुमार ने कही।आपको बता दें कि नबीपनाह के बजरंग चौराहे पर विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के तत्वाधान में समरसता भोज का आयोजन हुआ। कार्यकम को संबोधित करते हुए बजरंग दल जिला संयोजक सुशील कुमार ने कहा कि राजनैतिक लाभ के चलते कुछ लोग हिंदू समाज को बांटने का काम करते हैं। जातियों को तोड़ने एवं बांटने की साजिश चल रही हैं, जिसके प्रति हिंदू समाज को सतर्क एवं जागरूक रहने की आवश्यकता है। समरसता भोज ऐसा आयोजन है जो जात-पात की भावना को दूर करता है। ऐसा कार्यक्रम होते रहना चाहिए।इस मौके पर समाज सेवी राम नरेश यादव,श्याम किशोर,राजकुमार, श्रवण, टिंकू यादव,जितेंद्र यादव, श्रीकृष्ण,अंकित, सूरज, सोनू, राहुल, विपिन पाल रामदीन, हस्षित, आलोक, बबलू,रवि, सर्वजीत सहित मातृसक्ति विद्यावती सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए।

सपने के साकार होने की प्रतीक्षा, पूरे देश को है 22 जनवरी का इंतजार

84 सेकंड में खत्म होगा सालों का इंतजार

निर्मल सैनी द अचीवर टाइम्स

लखनऊ। 22 जनवरी को अयोध्या नगरी में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इसे लेकर जैसे-जैसे तारीख नजदीक आ रही है, लोगों में उत्साह भी बढ़ता जा रहा है।इस कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए कई दिनों से जोरदार तैयारियां चल रही हैं। प्राण-प्रतिष्ठा से पहले ही भक्तों ने अयोध्या नगरी में पहुंचना शुरू कर दिया है। 500 साल के इंतजार के बाद प्रभु श्रीराम अपने सिंहासन पर विराजने वाले हैं, राम मंदिर में विराजमान होने वाले रामलला के दर्शन के लिए करोड़ों भक्त बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और 22 जनवरी 2024 को उनका इंतजार खत्म हो जाएगा। इसी दिन शुभ मुहूर्त में रामलला गर्भगृह में विराजमान होंगे। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर देश भर के सभी मंदिरों को सजाया जाएगा, कहीं कहीं श्री राम जन्मभूमि मंदिर में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को वर्चुअल तरीके से देश के अलग-अलग स्थानों पर दिखाया भी जाएगा।

खुशी की कहानी लोगों की जुबानी

संसार की रचना करने वाले प्रभु श्री राम की कथा अनंत व अवर्णनीय है।उनकी लीलाओं के बारे में पूर्ण रूप से कुछ भी कहना हमारी क्षमता से बाहर है।हमारे जन्म जन्म के पुण्यों का फल है कि ऐसे परम शक्ति,मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के मंदिर के लोकार्पण को हम अपनी इन आंखों से देख पा रहे हैं और पूरे श्रद्धाभाव से इन पलों को जी पा रहे हैं।

(अतुल कुमार)

श्रीराम जी हमारे आराध्य हैं यह सनातन धर्म के लिए बहुत बड़ा दिन है।यह हमारे पांच सौ वर्षो की तपस्या का फल है। अयोध्या में श्री राम मंदिर के बन जाने से प्रदेश की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।

(दुर्गेश त्रिपाठी)

22 जनवरी को अयोध्या में नवनिर्मित भव्य राम मंदिर में रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम होगा। जो पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल बनकर सामने आएगा। देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा लोकार्पण का कार्यक्रम किया जाएगा 22 जनवरी को पूरे भारत में दीपावली जैसा उत्सव मनाया जाएगा।

नेकपाल

श्री राम मंदिर का लोकार्पण सनातन धर्म के लिए बहुत ही पुनीत कार्य है जिसे युगों युगों तक याद किया जाएगा हमारा सौभाग्य है कि हम अपने जीते जी भगवान श्री राम को अपने घर में विराजते हुए देख पाएंगे। आर्थिक पहलू को अगर देखा जाए तो इससे वहां का रोजगार होटल व्यवसाय बहुत तेजी से बढ़ेगा कुल मिलाकर या बहुत ही सौभाग्य की बात है हिंदू धर्म और हिंदू के लिए।

(अनूप गुप्ता)

पेड़ पर फंदे से लटका मिला युवक का शव

निर्मल सैनी द अचीवर टाइम्स

लखनऊ।एक दिन पूर्व भाभी के मायके आए देवर का आम के पेड़ से मफलर के सहारे संदिग्ध परिस्थितियों में लटकता मिला शव। मिली जानकारी अनुसार इटौंजा थाना क्षेत्र अंतर्गत सुनारन पुरवा निवासी अट्ठाईस वर्षीय दीपू यादव पुत्र रामचंद्र यादव माल थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बसंतपुर के जगदीशपुर में अपनी भाभी के मायके आया था।जिसका शव जगदीश पुर में गांव के बाहर नन्हू के आम के बाग में पेड़ से मफलर के सहारे लटका मिला।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को उतरवाया और मामले की जांच पड़ताल शुरू की है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इस संबंध में वरिष्ठ उप निरीक्षक प्रभात कुमार शुक्ला ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

6.67 किमी लंबाई, 350 करोड़ लागत.... इंदौर में बन रहे एलिवेटेड रोड से किन-किन इलाकों को फायदा?

संवाददाता

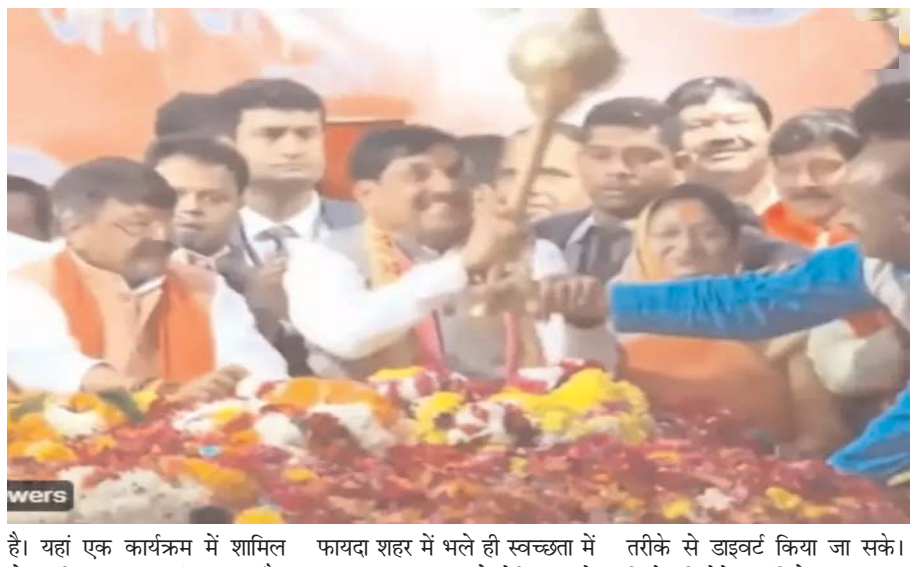

इंदौर। मध्य प्रदेश की औद्योगिक नगरी कहा जाने वाला इंदौर शहर में विकास के कई काम हो रहे हैं। इसी कड़ी में एक काम एलिवेटेड रोड का भी है। जिसका शुभारंभ करने के लिए सीएम मोहन यादव खुद शहर के दौरे पर आए है। जानिए शहर की जनता के लिए क्यों है यह रोड खास की सीएम कर रहे हैं उद्घाटन। प्रदेश के मुखिया बने मोहन यादव आज एमपी की औद्योगिक नगरी इंदौर के दौरे पर है। यहां पहुंच कर सीएम ने सबसे पहले बड़ा गणपति में पूजन गणपति बप्पा का आशीर्वाद लिया। इसके बाद राजवाड़ा तक रोड शो किया। सीएम आज यहां की जनता को एक बार फिर कई लाभकारी सौगात देने के लिए आए हुए है। इनमें से सबसे खास एलिवेटेड रोड है। जिसका शुभारंभ सीएम मोहन यादव करेंगे। दरअसल, सीएम मोहन यादव एक दिवसीय इंदौर दौरे में आए हुए है। यहां एक कार्यक्रम में शामिल होकर विश्राम बाग पहुंच कर स्क्रैप से बने श्री राम मंदिर का लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही शहर की ट्रैफिक सिस्टम को और स्मूथ बनाने के लिए एलिवेटेड रोड की सौगात भी जनता को देंगे। जानिए क्या है एलिवेटेड रोड जनता को क्या होगा फायदा शहर में भले ही स्वच्छता में नए आयाम गढ़ रहा हो लेकिन बढ़ते वाहनों की संख्या के चलते लगने वाले जाम से लोगों को परेशान होना ही पड़ता है। इसी समस्या के समधान के एक ऐसी रोड तकनीक का उपयोग किया जा रहा है जिससे एक ही रोड के ट्रैफिक को अलग अलग तरीके से डाइवर्ट किया जा सके। जिसे एलिवेटेड कॉरिडोर कहा जाता है। इसके लिए सीएम मोहन यादव आज 350 करोड़ की लागत से बनने वाले 6.67 किमी लंबे एलिवेटेड कोरिडोर की आधारशिला रखेंगे। यह कोरिडोर एलआईजी तिराहा से होकर नवलखा चौराहे तक बनाया जाएगा। यह कॉरिडोर जमीन से 30 फीट ऊंचा होगा। जिसमें से करीब 5 कट निकाले जाएंगे। इनमें से एक गिटार चौराहे पर दूसरा गीता भवन चौराहे पर तीसरा मधुमिलन चौराहा होगा। वहीं, चौथा कट शिवाजी वाटिका, पांचवा कट पीपल्याहाना की तरफ होगा। इसको पूरा होने में करीब दो साल का समय लगेगा। इस कोरिडोर के बनने के बाद से शहर की जनता को घंटों तक ट्रैफिक में नहीं फसना पड़ेगा। वहीं, इस कोरिडोर के बन जाने के बाद शहर में यातायात सुधार होगा साथ ही शहर सफाई के साथ ही साथ यातायात में भी नंबर वन आने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ जाएगा। इस कोरिडोर के बनने के बाद वाहन एक ही गति में निकल सकेंगे। जिसके चलते ट्रैफिक की समस्या काफी हद तक कम होगी। साथ ही गाड़ी चलाने वालों की समय के साथ डीजल पेट्रोल की बचत होगी वो अलग।

केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी से मिले सीएम धामी, थर्मल पावर स्टेशन को लेकर हुई चर्चा

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से उत्तराखंड को एक कोल ब्लॉक का आवंटन प्राथमिकता पर करने का अनुरोध किया। केंद्रीय मंत्री ने यथासंभव सहयोग के प्रति आश्वस्त किया। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने आज बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री प्रल्हाद जोशी से मुलाकात की। सीएम ने न्यूनतम 1000 मेगावाट के पिट-हेड थर्मल पावर प्लांट स्थापित किए जाने के लिए उत्तराखंड को लगभग 125 मिलियन टन भंडारण क्षमता की एक कोल ब्लॉक का आवंटन करने का अनुरोध किया। सीएम ने कहा कि अनुकूल औद्योगिक नीति के कारण राज्य में तेज गति से औद्योगिक विकास हुआ है, जिसके कारण बिजली की मांग में निरन्तर वृद्धि हुई है। सर्दियों के मौसम में बिजली की कमी हो जाती है, क्योंकि कम तापमान के कारण नदियों में पानी का बहाव कम हो जाता है। राज्य में बिजली की मांग प्रतिवर्ष लगभग चार से पांच प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। औद्योगिकीकरण बढ़ने के कारण आने वाले वर्षों में विद्युत की मांग और बढ़ने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऊर्जा मंत्रालय के द्वारा की गई संस्तुति के दृष्टिगत राज्य में विद्युत परियोजनाओं के तेज गति से विकास किए जाने के लिए यूजेवीएन लि. (राज्य सरकार का उपक्रम) और टीएचडीसी इंडिया लि. के बीच एक संयुक्त उपक्रम (टीएचडीसीआईएल-यूजेवीएनएल एनर्जी कंपनी लिमिटेड) का गठन किया गया है। टीएचडीसी इंडिया लि. की तापीय विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में भी अनुभव को ध्यान में रखते हुए राज्य की विद्युत मांग की आपूर्ति के लिए इस नए संयुक्त उपक्रम के माध्यम से एक पिट-हेड थर्मल पावर प्लांट स्थापित किया जाना प्रस्तावित है। उत्तराखंड उन कुछ राज्य में से एक है जहां कोई भी थर्मल पावर स्टेशन संचालित नहीं है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से उत्तराखंड को एक कोल ब्लॉक का आवंटन प्राथमिकता पर करने का अनुरोध किया। केंद्रीय मंत्री ने यथासंभव सहयोग के प्रति आश्वस्त किया।

एक नज़र

केंद्रमंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की आलोचना की

मनोरंजन सासमल ,
स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर। केंद्रीय शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की आलोचना की है। प्रदेश बीजेपी कार्यालय में आयोजित विलय उत्सव के दौरान धर्मेंद्र ने सीधे मुख्यमंत्री से सवाल किया। केंद्रीय मंत्री ने स्वास्थ्य, शिक्षा, सिंचाई और कानून व्यवस्था समेत कई मुद्दे उठाए और पूछा कि यह कैसा बदलाव है ।उन्होंने आगे कहा, हृष्टत्रक्क की रिपोर्ट में ओडिशा की हालत बहुत खराब है । महिला उत्पीड़न के मामले में ओडिशा सबसे खराब 3 राज्यों में से एक है। उन्होंने मुख्यमंत्री से श्वेत पत्र जारी करने की मांग की ।धर्मेंद्र प्रधान ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री के हिन्जिली निर्वाचन क्षेत्र की कई युवा महिलाएं तमिलनाडु में काम कर रही हैं। केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री जगननाथ ठंडा पकड़ कर बताया है कि हिन्जिली निर्वाचन क्षेत्र से कोई काम नहीं बहार मे करने वाला है । उन्होंने आगे कहा कि अगर बीजेपी को सिर्फ 5 साल दिए जाएं तो डबल इंजन सरकार के जरिए ओडिशा में काफी सुधार किया जाएगा ।

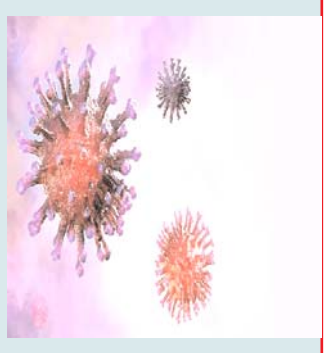

नोएडा-ग्रेनो में ठंड के चलते 18 जनवरी से बदला स्कूलों का समय, यहां जानें क्या है नई टाइमिंग

नोएडा। घने कोहरे और अत्यधिक ठंड को देखते हुए गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में नर्सरी से 8वीं तक के सभी स्कूलों में कक्षाएं 18 जनवरी से अगले आदेश तक सुबह 10 बजे से संचालित की जाएंगी। गौतम बुद्ध नगर के बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने यह जानकारी दी। नोएडा और ग्रेटर नोएडा के सभी स्कूलों में नर्सरी से आठवीं तक की कक्षाएं ठंड के कारण 18 जनवरी से सुबह 10 बजे शुरू होंगी। गौतम बुद्ध नगर के बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने कहा कि यह समय जिला प्रशासन के अगले आदेश तक जारी रहेगा। अधिकारी ने आदेश को सख्ती से लागू करने को कहा। पंवार ने कहा, ÷घने कोहरे और अत्यधिक ठंड को देखते हुए गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में नर्सरी से 8वीं तक के सभी स्कूलों में कक्षाएं 18 जनवरी से अगले आदेश तक सुबह 10 बजे से संचालित की जाएंगी।÷

कोरोना से होने वाली मौतों ने बढ़ाई चिंता; देश में एक दिन में तीन की मौत, 180 नए संक्रमित भी मिले

नई दिल्ली। पांच दिसंबर तक मामलों में कमी दर्ज की गई थी। लेकिन ठंड का मौसम आते ही मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। कोविड-19 का एक नया वेरिएंट सामने आने से भी स्वास्थ्य महकमे की चिंता बढ़ गई है। हालांकि, फिलहाल इस वेरिएंट के नए मामले सामने नहीं आ रहे हैं। कोरोना महामारी एक बार फिर तेजी से पैर पसार रहा है। हर दिन नए मामले सामने आ रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि भारत में सिर्फ एक दिन में कोविड-19 के 180 नए मामले सामने आए हैं। इससे संक्रमण के सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 2,804 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे अद्यतन आंकड़ें जारी किए गए। पिछले 24 घंटे में महाराष्ट्र में संक्रमण से तीन लोगों की मौत हुई। पांच दिसंबर तक मामलों में कमी दर्ज की गई थी। लेकिन ठंड का मौसम आते ही मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। कोविड-19 का एक नया वेरिएंट सामने आने से भी स्वास्थ्य महकमे की चिंता बढ़ गई है। हालांकि, फिलहाल इस वेरिएंट के नए मामले सामने नहीं आ रहे हैं। 2020 की शुरुआत में महामारी अपने चरम पर थी, तब हर दिन आने वाले मरीजों की संख्या लाखों में थी। तब से देश भर में लगभग चार वर्षों में 4.5 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं। वहीं, 5.3 लाख से अधिक मौतें हो चुकी हैं। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि पिछले साल 31 दिसंबर को 841 नए मामलों की एक दिन में वृद्धि दर्ज की गई, जो मई 2021 में रिपोर्ट किए गए चरम मामलों का 0.2 प्रतिशत है। कुल सक्रिय मामलों में से, इनमें से अधिकांश (लगभग 92 प्रतिशत) होम आइसोलेशन के तहत ठीक हो रहे हैं। मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, बीमारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4.4 करोड़ से अधिक हो गई है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.81 प्रतिशत है। देश में अब तक कोविड टीकों की 220.67 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं।

कुल्हाल बॉर्डर पर रोकी ज्ञान गोदड़ी यात्रा, संगत में आक्रोश, पुलिस के साथ हुई नोकझोंक

एजेंसी

देहरादून। गुरुरचरण सिंह बब्बर ने कहा कि हरकी पैड़ी में सिखों का 460 साल पुराना गुरुद्वारा है। हम सबके साथ मिलकर समाज की सेवा करना चाहते हैं। हम केवल अपना हक-अधिकार मांग रहे है। हरकी पैड़ी हरिद्वार में गुरु नानक साहिब गुरुद्वारा ज्ञान गोदड़ी स्थापित किए जाने की मांग को लेकर यात्रा के रूप में हरिद्वार जा रहे सिख समुदाय के जत्थे को पुलिस प्रशासन ने कुल्हाल बॉर्डर पर रोक लिया। जत्थे को रोके जाने पर संगत ने आक्रोश प्रकट करते हुए इसे अधिकारों का हनन करार दिया। बॉर्डर पर पुलिस प्रशासन के साथ हुई करीब एक घंटे की वार्ता के बाद जत्थे में शामिल लोग वापस लौट गए। ऑल इंडिया सिक्ख कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष गुरुचरण सिंह बब्बर के नेतृत्व में चार वाहनों में सवार होकर जत्था दोपहर 12¬40 बजे पांवटा साहिब हिमाचल पहुंचा। जत्थे में 19 पुरूष और पांच महिलाएं शामिल थीं। यहां माथा टेकने के बाद जत्था दोपहर 2¬10 बजे कुल्हाल बॉर्डर पहुंचा। जहां पहले से मौजूद भारी पुलिस ने पुल पर बैरीकेड लगाकर वाहनों को रोक लिया। पुलिस प्रशासन की ओर से रोके जाने पर गुरुरचरण सिंह बब्बर ने कहा कि हरकी पैड़ी में सिखों का 460 साल पुराना गुरुद्वारा है। हम सबके साथ मिलकर समाज की सेवा करना चाहते हैं। हम केवल अपना हक-अधिकार मांग रहे है। गुरु के प्रकाश पर्व पर उन्हें हरिद्वार में जाकर स्नान और अरदास आदि करने से रोका जाना, उनके अधिकारों का हनन है। तहसीलदार सुरेंद्र कुमार, सीओ भाष्कर शाह, कोतवाली प्रभारी राजेश साह के समझाने पर जत्थे में शामिल सभी लोग वाहनों में सवार होकर वापस दिल्ली लौट गए। रोके जाने पर जत्थे में शामिल लोगों ने ज्ञान खोदड़ी गुरूद्वारा साहिब लेकर रहेंगे के नारे लगाए। सभी लोगों को पुलिस चौकी के पीछे बने शेड में ले जाया गया। जहां चाय नाश्ता कराने के बाद सभी को लौटा दिया गया। सुरक्षा की दृष्टि से बॉर्डर पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। कोतवाली के साथ ही कालसी, सहसपुर, सेलाकुई थाना पुलिस के साथ भारी पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस के खुसफिया विभाग के पुलिस कर्मी भी सतर्क रहे।

दोपहर बाद बदला मौसम, चारधाम समेत समेत ऊंची चोटियों पर हुई बर्फबारी, ठंड बढ़ी

एजेंसी

चमोली। आज मैदानी इलाकों में कोहरा छाने का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, विंटर बारिश न होने की वजह से सूखी ठंड परेशान कर रही है। उत्तराखंड में मौसम पल-पल करवट बदल रहा है। बुधवार को सुबह से आसमान में बादल छाए रहे, लेकिन दोपहर बाद मौसम ने करवट बदली और बदरीनाथ धाम, फूलों की घाटी, हेमकुंड, औली, रुद्रनाथ, हनुमान चट्टी, समेत ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी शुरू हो गई। जबकि निचले स्थान में मौसम खराब होने से कड़ाके की ठंड हो रही है। वहीं, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम सहित आस-पास खरशाली गांव , जानकीचट्टी, नारायण पुरी फूलचट्टी क्षेत्र में भी हल्की बर्फबारी हुई। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो अभी फिलहाल तीन-चार दिन बारिश के आसार नहीं हैं। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार आज मैदानी इलाकों में कोहरा छाने का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने कहा, विंटर बारिश न होने की वजह से सूखी ठंड परेशान कर रही है।

यूपी के स्कूलों में फिर बढ़ी छुट्टियां, आगरा-बलिया से लेकर इन जिलों से जुड़ा नया आदेश

संवाददाता

आगरा। उत्तर प्रदेश के लगभग सभी जिलों में कड़ाके की सर्दी का सितम जारी है। शीतलहर और गलन से तापमान में भारी गिरावट आई है। इसके चलते आगरा समेत अन्य जिलों में जिलाधिकारियों ने एक फिर से स्कूलों में अवकाश को बढ़ा दिया है। वहीं कोहरे से रेल यातायात भी प्रभावित हो रहा है। उत्तर प्रदेश में ठंड बढ़ने के वजह से कई जिलों में स्कूलों की छुट्टियां 20 जनवरी तक बढ़ा दी गई हैं। अत्यधिक ठंड और गलत से जनजीवन बुरी तरीके से प्रभावित हुआ है। एक तरफ कोहरे के कारण रेल यातायात बाधित हुआ है। ट्रेनें अपने नियत समय से कई घंटे से अविलंब चल रही है। आगरा, गाजीपुर, सोनभद्र, बलिया समेत कई जिलों में छुट्टी का ऐलान किया गया है। आगरा में कक्षा 8 तक के सभी स्कूल अब 19 जनवरी तक के लिए बंद रहेंगे। इससे पूर्व कक्षा पांच तक के स्कूलों में 20 जनवरी तक के अवकाश की घोषणा की थी। डीएम के आदेश स्कूल के बच्चों और उनके अभिभावकों को राहत दे रहे हैं। कड़ाके की सर्दी और शीतलहर से ठिठुरन पैदा हो गई है। मंगलवार को सीजन का सबसे ठंडा शहर आगरा रहा। अधिकतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस से आगे नहीं बढ़ सका। इसके अगले दिन बुधवार को यही आलम रहा। जिलाधिकारी भानु चंद्र गोस्वामी ने स्कूलों में एक बार फिर से अवकाश बढ़ा दिया है। कक्षा 8 तक के सभी बोर्ड के स्कूल अब 19 जनवरी तक बंद रहेंगे। डीएम ने ये आदेश सभी बोर्ड के स्कूलों को पालन करने के लिए जारी किए हैं। इसके अलावा कक्षा 12 तक के स्कूलों में समय परिवर्तन किया गया है। कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों को लिए स्कूल सुबह 10.30 बजे खुलेंगे और अवकाश 3.30 बजे किया जाएगा। ये आदेश सभी बोर्ड के स्कूलों के लिए जारी किए हैं। मंगलवार और बुधवार दो दिनों से आगरा में सूर्य देवता के दर्शन नहीं हुए हैं। पिछले सप्ताह से लगातार तापमान में गिरावट देखी जा रही है। मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों के लिए चेतावनी भी जारी कर दी है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि न्यूनतम तापमान और अधिकतम तापमान में अंतर कम होने के चलते सर्द मौसम बना हुआ है। बुधवार को न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस रेकॉर्ड किया गया। जो कि सामान्य से 10 डिग्री कम है। बलिया में ठंड और शीतलहर के चलते आठवीं तक के विद्यालय 20 जनवरी तक बंद करने का आदेश दिया गया है। डीएम रवींद्र कुमार के निर्देश पर बीएसए मनीष कुमार सिंह ने आदेश जारी किया। छुट्टी अवधि के दौरान विद्यालय में अध्यापक, कर्मचारी उपस्थित रहेंगे। सोनभद्र जिले में पड़ रही कड़ाके की ठंड, कोहरा और शीतलहर को देखते हुए शनिवार 19 जनवरी तक कक्षा आठवीं तक के विद्यालयों को बंद रखने का आदेश दिया गया है। सोनभद्र के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नवीन पाठक ने इस संबंध में पत्र जारी करते हुए ये जानकारी दी है। पहले यह आदेश 17 जनवरी तक था। अब ठंड को देखते हुए इसे आगे बढ़ा दिया गया है। आदेश के मुताबिक, कक्षा 1 से 8 वीं तक सभी राजकीय, परिषदीय, सहायता प्राप्त, निजी मान्यता प्राप्त, सीबीएसई, आईसीएसई बोर्ड सहित अन्य बोर्ड के समस्त विद्यालयों में 19 जनवरी 2024 तक शीतावकाश घोषित किया गया है। पूरा उत्तर भारत शीतलहर और ठंड के चपेट में है। ऐसे में आम लोगों का जन जीवन बुरी तरीके से प्रभावित हो रहा है। एक तरफ ठंड और गलत को लेकर मौसम विभाग से जारी एडवाइजरी को देखते हुए 1 से 8 क्लास तक के सभी स्कूलों को 20 जनवरी तक बंद कर दिया गया है। वहीं ट्रेन यात्रियों को ट्रेनों की लेट लतीफ के कारण भारी असुविधा का सामना करना पड़ा रहा है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय ने विद्यालय संचालन को लेकर नोटिस जारी किया है। बीएसए हेमंत राव ने प्रतिकूल मौसम को देखते हुए 1 से 8 क्लास की छुट्टियों को बढ़ा दिया है। बुधवार को बीएसए कार्यालय से जारी नोटिस के अनुसार 18 से 20 जनवरी तक अत?यधिक गलन और ठंड के कारण शिक्षण कार्य स्थगित रहेंगे। क्लास 1 से लेकर 8 तक समस्त परिषदीय मान्यता प्राप्त, सहायता प्राप्त और निजी विद्यालय बंद रहेंगे। इस दौरान अध्यापक, शिक्षामित्र, अनुदेशक विद्यालय में उपस्थित रहकर प्रशासकीय कार्यों को करेंगे। अत्यधिक कोहरे के कारण रेल गाड़ियां अपने नियत समय से कई घंटे देरी से चल रही है। दीनदयाल उपाध्याय -पटना रेलखंड की बात करें तो इस रेल रूट पर कई गाड़ियां नियत समय से 1 लेकर 7 घंटे तक देरी से चल रही है। गाजीपुर के दिलदारनगर स्टेशन पर कोहरे और ठंड में ट्रेनों के बिलंब से चलने के कारण काफी संख्या में दूरदराज से आये लोगों को रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों का इंतजार करना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा विलंब से दिल्ली की ओर से आने वाली सभी ट्रेनों है। ठंड और घने कोहरे ने ट्रेन पकड़ने वाले यात्रियों के परेशान में इजाफा किया है।

बाप रे! बरेली में 5 करोड़ की स्मैक के साथ दो भाई गिरफ्तार, दिल्ली-मुंबई और पंजाब तक करते थे सप्लाई

संवाददाता

बरेली। बरेली पुलिस ने फतेहगंज में अफीम फैक्ट्री पकड़ी गई है। इसे चलाने वाले दो भाइयों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से पांच करोड़ की स्मैक बरामद की गई है। थाना फतेहगंज पश्चिमी में एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। ये स्मैक दिल्ली, पंजाब, मुंबई और उत्तराखंड में सप्लाई करते थे। बरेली पुलिस ने फतेहगंज में घर में चल रही अफीम फैक्ट्री को पकड़ लिया। इसे संचालित करने वाले भाइयों को गिरफ्तार कर लिया गया है, उनके पास से पांच करोड़ की स्मैक बरामद की गई है। दोनों भाई घर में ही अफीम फैक्ट्री चलाते थे। थाना फतेहगंज पश्चिमी में उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है। तस्कर छत्तीसगढ़ और झारखंड से अफीम लाकर बरेली में उसे तैयार करते थे। फिर उसे स्मैक बनाकर बनाकर दिल्ली, पंजाब, मुंबई और उत्तराखंड में सप्लाई करते थे। एसपी देहात मुकेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि बुधवार को मुखबिर की सूचना पर फतेहगंज पश्चिमी पुलिस टीम ने मोहल्ला सराय नई बस्ती में दबिश दी। पुलिस टीम ने मोहल्ला सराय नई बस्ती निवासी नदीम उर्फ मुन्ना और उसके भाई मोहसिन को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने चार किलो 82 ग्राम स्मैक, एक किलो 800 ग्राम पावर पाउडर और 12 किलो 200 ग्राम कट पाउडर बरामद किया। पूछताछ में पता चला कि नदीम उर्फ मुन्ना अपने घर में स्मैक बनाता था। कच्चा माल अफीम पाउडर झारखंड से मंगवाते थे। पावर पाउडर और कट पाउडर का इस्तेमाल कर डली की शक्ल में बनाते थे। पुड़िया बनाकर पॉलीथीन में रखकर मिलक, रामपुर, काशीपुर, उत्तराखंड, दिल्ली में अपने भाई मोहसिन के सहयोग से सप्लाई करते थे। तस्करों से पूछताछ की जा रही है कि वह झारखंड में किससे स्मैक मंगवाते थे। नदीम के खिलाफ फतेहगंज पश्चिमी और मीरगंज थाने में पांच मुकदमे दर्ज है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में फतेहगंज पश्चिमी थाना प्रभारी धनंन्जय कुमार पाण्डेय, एसआई राजेश कुमार, ब्रहमपाल सिंह, सिपाही अनिल कुमार, अनुज कुमार, सलीम, अनिल कुमार, कपिल कुमार, मो इरशाद और रजत कुमार शामिल रहे।

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा..अंकिता हत्याकांड में VIP का नाम उजागर करने ले लिए सड़कों पर उतरे

संवाददाता

देहरादून। राजधानी में कांग्रेस ने भारत जोड़ों यात्रा निकाली। इस दौरान पार्टी दिग्गजों के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता इस यात्रा में शामिल हुए। पूर्व सीएम हरीश रावत, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के नेतृत्व में राजधानी में भारतभारत जोड़ो यात्रा निकाली। इस दौरान कांग्रेसियों ने अंकिता हत्याकांड में वीआईपी का नाम उजागर करने की मांग की। सोमवार को अंकिता हत्याकांड में न्याय की मांग को लेकर कांग्रेसी सड़कों पर उतरे। हाथीबडकला से गांधी पार्क तक भारत जोड़ो यात्रा निकालते हुए पूर्व सीएम हरीश रावत ने कहा कि अंकिता हत्या कांड में उनके माता पिता ने एक वीआईपी का नाम लिया है। लेकिन सरकार उस वीआईपी को बचाने का काम कर रही है। सरकार को तत्काल उस वीआईपी का नाम उजागर कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करनी चाहिए। अगर सरकार ऐसा नहीं करती है तो यह समझा जाएगा कि वीआईपी सत्तापक्ष का है। ओर जानबूझ कर सरकार उसे बचाने का काम कर रही है। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने भी वीआईपी का नाम उजागर करने की मांग की। बता दें, कि पौड़ी जिले के गंगा भोगपुर के वनंतरा रिजॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट के पद पर काम करने वाली अंकिता भंडारी की 18 सितंबर, 2022 को हत्या कर दी गई थी। 24 सितंबर, 2022 को पुलिस ने उसका शव चीला नहर से बरामद किया था। इस हत्याकांड की जांच एसआईटी ने की और करीब 500 पेज की चार्जशीट अदालत में पेश की।

अंतरराष्ट्रीय T-20 क्रिकेट में पहली बार हुए दो सुपर ओवर

क्या हर सुपर ओवर में मिलती है नई गेंद? दूसरे सुपर ओवर में भारत की मिली सफलता

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के मैच में रोमांच की सारी हदें पार हो गईं। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में पहली बार दो सुपर ओवर खेले गए। भारत ने जीत हासिल की और 2024 टी20 विश्व कप से पहले अपने आखिरी टी20 मुकाबले को यादगार बना दिया। भारत और अफगानिस्तान के बीच टी20 सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच टीम इंडिया ने दूसरे सुपर ओवर में जीत लिया। इस जीत के साथ ही भारत ने सीरीज 3-0 से अपने नाम की। रोमांच का चरम क्या होता है, यह भारत और अफगानिस्तान के बीच तीसरे टी20 में देखने को मिला। अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट के इतिहास में पहली बार दो सुपर ओवर खेले गए। पहला और दूसरा टी20 छह-छह विकेट से जीतने के बाद टीम इंडिया ने तीसरे टी20 में डबल सुपर ओवर में अफगानिस्तान को हरा दिया। निर्धारित 20 ओवर में भारत ने रोहित शर्मा की नाबाद 121 रन की पारी और रिंकू सिंह के नाबाद 69 रन की बदौलत भारत ने चार विकेट पर 212 रन बनाए थे। जवाब में अफगानिस्तान की टीम भी 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 212 रन बना सकी। मैच टाई हुआ और सुपर ओवर में पहुंचा। पहले सुपर ओवर में दोनों टीमों ने 16-16 रन बनाए। दूसरे सुपर ओवर में भारत के 11 रन के जवाब में अफगानिस्तान एक रन बना सका और भारत ने मैच जीत लिया। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में चार विकेट गंवाकर 212 रन बनाए। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में रोहित और रिंकू का तूफान देखने को मिला। एक वक्त भारत ने 22 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। यशस्वी जायसवाल चार रन और शिवम दुबे एक रन बनाकर आउट हुए। वहीं, विराट कोहली और संजू सैमसन खाता नहीं खोल सके। इसके बाद रोहित और रिंकू ने पांचवें विकेट के लिए 95 गेंद में 190 रन की नाबाद साझेदारी की। किसी ने नहीं सोचा था कि टीम इंडिया 200 के स्कोर तक पहुंच पाएगी, लेकिन

हिटमैन और रिंकू ने ऐसा कर दिखाया। रोहित ने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का रिकॉर्ड पांचवां शतक लगाया। वह इस प्रारूप में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। वह 69 गेंद में 11 चौके और आठ छक्के की मदद से 121 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, रिंकू ने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का दूसरा अर्धशतक लगाया। वह 39 गेंद में 69 रन बनाकर नाबाद रहे। अपनी पारी में उन्होंने दो चौके और छह छक्के लगाए। 213 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान टीम को कप्तान इब्राहिम जादरान और रहमनुल्लाह गुरबाज ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने 93 रन जोड़े। इस साझेदारी को कुलदीप यादव ने तोड़ा। उन्होंने गुरबाज को कैच आउट कराया। वह 32 गेंद में तीन चौके और चार छक्के की मदद से 50 रन बनाए। वहीं, जादरान 41 गेंद में चार चौके और एक छक्के की मदद से 50 रन बनाकर आउट हुए। अजमतुल्लाह ओमरजई खाता नहीं खोल सके। मोहम्मद नबी ने 16 गेंद में दो चौके और तीन छक्के की मदद से 34 रन की तूफानी पारी खेल मैच अफगानिस्तान की तरफ मोड़ दिया। हालांकि., वॉशिंगटन सुंदर ने 17वें ओवर में सधी हुई गेंदबाजी की नबी को पवेलियन भेजा। करीम जनत दो रन बनाकर रन आउट और नजीबुल्लाह जादरान पांच रन बनाकर आउट हो गए। इन विकेट ने मैच को फिर रोमांचक बना दिया। आखिरी ओवर में अफगानिस्तान को जीत के लिए 19 रन की दरकार थी। गुलबदिन नईब क्रीज पर थे। उन्होंने शराफुद्दीन अशरफ के साथ मिलकर 20वें ओवर में 18 रन बनाए और मैच टाई हो गया। गुलबदिन 23 गेंद में चार चौके और चार छक्के की मदद से 55 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से वॉशिंगटन सुंदर ने तीन विकेट लिए। वहीं, आवेश खान और कुलदीप यादव को एक-एक विकेट मिला। पहले सुपर ओवर में अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 16 रन बनाए। जवाब में भारत भी 16 रन बना सका। दूसरे सुपर ओवर में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 11 रन बनाए और फिर अफगानिस्तान को एक रन ही बनाने दिया। अफगानिस्तान की टीम ने तीन गेंद में ही दो विकेट गंवा दिए और इस तरह टीम इंडिया ने जीत हासिल की। रवि बिश्नोई दूसरे सुपर ओवर में गेंदबाजी के लिए आए और अफगानिस्तान की टीम उनके फिरकी में फंस गई। तीन गेंद में ही उन्होंने मोहम्मद नबी और रहमनुल्लाह गुरबाज के दो विकेट लिए। एक सुपर ओवर

अंडर 19 विश्व कप के रनवे से भविष्य की ऊंची उड़ान भरने को आतुर भारत की युवा ब्रिगेड

अंडर 19 विश्व कप शुक्रवार से जब यहां शुरू होगा तो कइयों के मुस्तकबिल बनेंगे और कई ख्वाब हकीकत का रूप लेंगे जबकि विरोधी टीमों का जोर पांच बार के चैम्पियन भारत का दबदबा तोड़ने पर होगा। यह सर्वविदित है कि अंडर 19 विश्व कप ने ही क्रिकेट जगत को कई भावी सितारे दिये हैं। क्रिकेट को भविष्य के सितारे देने वाला अंडर 19 विश्व कप शुक्रवार से जब यहां शुरू होगा तो कइयों के मुस्तकबिल बनेंगे और कई ख्वाब हकीकत का रूप लेंगे जबकि विरोधी टीमों का जोर पांच बार के चैम्पियन भारत का दबदबा तोड़ने पर होगा।

यह सर्वविदित है कि अंडर 19 विश्व कप ने ही क्रिकेट जगत को कई भावी सितारे दिये हैं। युवराज सिंह 2000 में, रोहित शर्मा 2006 में, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा 2008 में , ऋषभ पंत और ईशान किशन 2016 में और शुभमन गिल 2018 में इसी टूर्नामेंट से चमके।

लेकिन कई ऐसे भी हैं जो जूनियर स्तर की सफलता को सीनियर स्तर पर दोहरा नहीं सके जिनमें उन्मुक्त चंद, रविकांत शुक्ला, मनीष पांडे, यश धुल और कमलेश नागरकोटी शामिल हैं। सभी की नजरें भारतीय टीम पर लगी होंगी जिसके कप्तान पंजाब के उदय सहारन हैं।

भारत को शनिवार को पहले मैच में बांग्लादेश से खेलना है। ग्रुप ए में भारत और बांग्लादेश के अलावा अमेरिका और आयरलैंड भी है।

यह टूर्नामेंट 11 फरवरी तक चलेगा जब बेनोनी में फाइनल खेला जायेगा। सोलह टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है और हर ग्रुप से शीर्ष तीन टीमें सुपर सिक्स में पहुंचेंगी जिसमें 12 टीमों को दो पूल में बांटा जायेगा।

इनसे शीर्ष दो दो टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी जो बेनोनी में ही छह और आठ फरवरी को होगा। भारतीय टीम राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में कई शिविरों के बाद यहां आई है और इसने दो ही टूर्नामेंट (एशिया कप और दक्षिण अफ्रीका में त्रिकोणीय श्रृंखला) खेले हैं। एशिया कप में भारत सेमीफाइनल में हार गया

जिसमें बांग्लादेश ने उसे चार विकेट से मात दी। उसके बाद हालांकि दक्षिण अफ्रीका में त्रिकोणीय श्रृंखला भारत ने अपराजेय रहकर जीती जिसमें अफगानिस्तान तीसरी टीम थी। फाइनल बारिश की भेंट होने से भारत और दक्षिण अफ्रीका संयुक्त विजेता रहे।

भारत के बाद आस्ट्रेलिया ने सबसे ज्यादा तीन और पाकिस्तान ने दो बार अंडर 19 विश्व कप जीता है।

बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड एक एक बार विजयी रहे। भारतीय टीम में अर्शिन कुलकर्णी भी हैं जो आईपीएल में अनुबंध पाने वाले इस टीम के दो खिलाड़ियों में से हैं। महाराष्ट्र प्रीमियर लीग की खोज अर्शिन ने टूर्नामेंट में नौ छक्के लगाये थे। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स ने अरावेली अश्विन के साथ करार किया है जिसने नवंबर में चार देशों की श्रृंखला में 93 गेंद में 163 रन बनाये थे।

पिछले साल कूच बेहार ट्रॉफी में प्लेयर आफ द टूर्नामेंट रहे मुशीर खान और कप्तान उदय सहारन पर भी नजरे होंगी। गेंदबाज राज लिम्बानी ने हाल ही में नेपाल के खिलाफ सात विकेट लिये थे जबकि उपकप्तान स्वामी पांडे ने अफगानिस्तान के खिलाफ छह विकेट चटकाये थे। अन्य टीमों में न्यूजीलैंड के रहमान हिकमत, पाकिस्तान के तेज गेंदबाज उबेद शाह, अफगानिस्तान के आफ स्पिनर अल्लाह मुहम्मद गजांफर और इंग्लैंड के लुक बेंकेंस्टेन पर नजरें रहेंगी।

मानसून में पिएँ यह 5 हेल्दी ड्रिंक्स, बीमारियाँ रहेंगी आपसे कोसों दूर

बारिश के मौसम में मसाला चाय पीने का मजा अलग है। यह स्वाद में अच्छी होने के साथ-साथ हमारे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसके लिए आप दूध में चाय पत्ती के साथ साथ अदरक, लौंग, इलायची, दालचीनी और काली मिर्च डाल सकते हैं। बारिश का मौसम होता तो बहुत सुहाना है, चारों तरफ फैली हरियाली दिल को सुकून देती है। लेकिन बरसात कई तरह की बीमारियां भी अपने साथ लेकर आती है। मानसून में इम्युनिटी कमजोर होने के कारण वायरल फीवर, फूड प्वाइजनिंग और इंफेक्शन होने का खतरा अधिक होता है। इसलिए जरूरी है कि इस मौसम में आप अपनी सेहत की खास देखभाल करें। आज के इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी हेल्दी ड्रिंक्स बताने जा रहे हैं जो स्वादिष्ट होने के साथ साथ मानसून में आपकी इम्युनिटी भी बूस्ट करेंगी बारिश के मौसम में मसाला चाय पीने का मजा अलग है। यह स्वाद में अच्छी होने के साथ-साथ हमारे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसके लिए आप दूध

में चाय पत्ती के साथ साथ अदरक, लौंग, इलायची, दालचीनी और काली मिर्च डाल सकते हैं। इसके कड़क स्वाद और सुगंध से आपका मन तरोताजा हो जाएगा। इसके साथ ही मसाला चाय पीने से सर्दी-खांसी और संक्रमण से भी बचाव होता है। मानसून में अपने दिन की शुरुआत गुनगुने पानी और नींबू के साथ करें। आप इस ड्रिंक का सेवन न केवल मानसून बल्कि किसी भी मौसम में कर सकते हैं। गर्म पानी में नींबू डालकर पीने से शरीर में जमा हानिकारक पदार्थ बाहर निकलते हैं और इससे स्वास्थ्य ठीक रहता है।

आपकी दादी या मां भी आपको सर्दी-खांसी होने पर हल्दी वाला दूध पीने की सलाह जरूर देती होंगी। दरअसल, गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने से सर्दी-खांसी में जल्द राहत मिलती है। आप इस ड्रिंक का सेवन किसी भी मौसम में कर सकते हैं। हल्दी में एंटी इंफ्लामेटरी गुण होते हैं जो इम्युनिटी बढ़ाकर संक्रमण से बचाव करते हैं। बारिश के मौसम में कश्मीरी कहवा का सेवन भी बहुत फायदेमंद होता है। इसे ग्रीन टी की पत्तियों को केसर, इलायची, दालचीनी और मेवा के साथ उबालकर बनाया जाता है। इसमें फाइटोकेमिकल्स मौजूद होते हैं जो बारिश के दौरान होने वाली बीमारियों से बचाव करते हैं। नारियल पानी एक बहुत पौष्टिक और स्वादिष्ट ड्रिंक है जिसे आप किसी भी मौसम में पी सकते हैं। नारियल पानी के सेवन से शरीर की इम्युनिटी बढ़ती है और बारिश के मौसम में होने वाली बीमारियों से बचाव होता है। नारियल पानी के सेवन से शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल का स्तर घटता है और यह पाचन तंत्र को सुधारने में भी मदद करता है। मानसून में हमारा पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है, ऐसे में नारियल पानी पीना फायदेमंद रहता है। नारियल पानी शरीर में कई पोषक तत्वों की आपूर्ति करने में भी मदद करता है।

शुरू हो गए हैं लाडली के पीरियड्स तो उसकी डाइट में जरूर शामिल करें यह चीज़ें

अगर बेटी को पहली बार पीरियड्स शुरू हुए हैं तो उसके खाने में हरी पत्तेदार सब्जियां जरूर शामिल करें। पीरियड के दौरान हैवी ब्लीडिंग होने के कारण कई बार शरीर में खून की कमी हो सकती है। ऐसे में हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करने से शरीर में विटामिन, मिनरल और फोलिक एसिड की आपूर्ति होती है।

पीरियड्स या मासिक धर्म महिलाओं में होने वाले एक नेचुरल प्रोसेस है। जब लड़की यौनावस्था के पड़ाव पर पहुंचाती है तो उसे पीरियड्स आना शुरू होते हैं। आमतौर पर लड़कियों को 10 से 12 साल की उम्र के आसपास पीरियड्स आने शुरू होते हैं। लेकिन कई लड़कियों को पहली बार पीरियड 14-15 साल की उम्र में भी हो सकते हैं। पहले पीरियड के दौरान हर लड़की को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। फर्स्ट पीरियड के द्वारा पेट दर्द, कमजोरी, मूड स्विंग और हैवी ब्लीडिंग हो सकती है। ऐसे में आप की लाडली को पीरियड के दौरान अधिक देखभाल की जरूरत होती है। पहले पीरियड के दौरान बेटी के खानपान का खास ख्याल रखें।

इससे उसको पीरियड्स के दौरान होने वाली समस्याएं नहीं होंगी। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगी कि बेटी के पहले पीरियड के दौरान आपको उसकी डाइट में क्या-क्या शामिल करना चाहिए। अगर बेटी को पहली बार पीरियड्स शुरू हुए हैं तो उसके खाने में हरी पत्तेदार सब्जियां जरूर शामिल करें। पीरियड के दौरान हैवी ब्लीडिंग होने के कारण कई बार शरीर में खून की कमी हो सकती है। ऐसे में हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करने से शरीर में विटामिन, मिनरल और फोलिक एसिड की आपूर्ति होती है। अगर आप नॉन वेज का सेवन करते हैं तो बेटी को पहली बार पीरियड्स होने पर उसकी डाइट में चिकन और फिश शामिल करें। इनमें भरपूर मात्रा में आयरन, प्रोटीन और ओमेगा थ्री फैटी एसिड मौजूद होता है। पीरियड्स के दौरान फिश और चिकन के सेवन से पीरियड्स पेन को कम करने में मदद मिलती है। इसके अलावा इससे मूड स्विंग्स की समस्या भी कम होती है। पहली बार पीरियड्स होने पर बच्ची ड्राइ नट्स खाने को दें। बादाम, काजू, अखरोज जैसे नट्स में ओमेगा 3 फैटी एसिड और प्रोटीन की अच्छी मात्रा पाई जाती है। इसके अलावा नट्स में मैग्नीशियम और विटामिन भी मौजूद होते हैं। पीरियड्स के दौरान नट्स के सेवन से कमजोरी और थकान जैसी समस्याएं दूर होती हैं। पीरियड्स के दौरान बेटी की डाइट में दाल भी जरूर शामिल करें। दाल के सेवन से शरीर को प्रोटीन और विटामिन जैसे पोषक तत्व मिलते है। हालांकि ध्यान दें कि पीरियड के दौरान उसे उड़द की दाल खाने को न दें। दरअसल, उड़द की दाल बादी होती है और इससे अपच और गैस की समस्या हो सकती है। पीरियड्स में मूंग की दाल खाना फायदेमंद होता है। मूंग पचाने में आसान होती है और इससे शरीर को एनर्जी भी मिलती है। फर्स्ट पीरियड के दौरान अपनी लाडली को ताजे फरूट्स खाने को दें। आप बेटी को अनार और चुकंदर का जूस पीने को दे सकती हैं।

गलत आदतों से हो सकता है लिवर खराब, जानें इसको स्वस्थ रखने के उपाय

पपीता पेट व लीवर की बीमारियों के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। पपीता विटामिन ए और विटामिन सी से भरपूर होता है। इसके साथ ही इसमें फाइबर और एंटी-ऑक्सीडेंट्स भी मौजूद होते हैं जो कई तरह की बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं। लिवर हमारे शरीर का एक अहम अंग है। लिवर का काम हमारे शरीर से विषैले पदार्थों को बाहर निकलना है. हम जो भी खाते-पीते हैं उसे पचाने में भी लिवर मदद करता है। कई बार हम अपनी भागदौड़ भरी जीवनशैली और खानपान की गलत आदतों के चलते लिवर को नुकसान पहुंचाते हैं. इसके कारण फैटी लिवर, लिवर सिरोसिस और हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारियाँ होने का खतरा बढ़ जाता है। लिवर को साफ और स्वस्थ रखने के लिए सही खान-पान और अच्छी जीवनशैली बहुत जरूरी है। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि आप अपने लिवर की देखभाल कैसे कर सकते हैं पपीता पेट व लीवर की बीमारियों के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। पपीता विटामिन ए और विटामिन सी से भरपूर होता है। इसके साथ ही इसमें फाइबर और एंटी-ऑक्सीडेंट्स भी मौजूद होते हैं जो कई तरह की बीमारियों से लड़ने में मदद

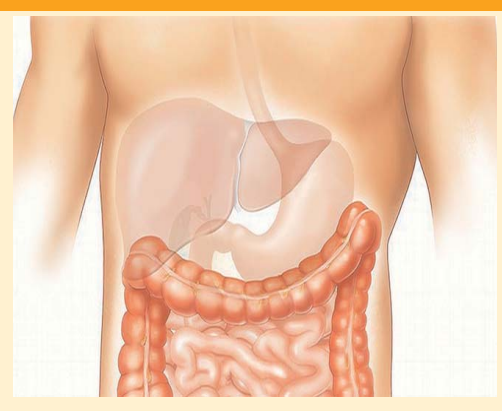

करते हैं। लिवर सिरोसिस की बीमारी में पपीते करना बहुत लाभकारी साबित होता है। इसके लिए हर रोज़ दो चमच पपीता के जूस में आधा चमच नींबू का रस मिलाकर पिएँ। इस जूस का तीन-चार हफ्ते तक नियमित सेवन करने से लिवर स्वस्थ बनेगा और लिवर सिरोसिस में लाभ होगा।

लहसुन हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी है। लहसुन का सेवन करने से ऐसे एंजाइम सक्रिय होते हैं जो लिवर में मौजूद विषैले पदार्थों या टॉक्सिंस को बाहर निकालते हैं। इसके अलावा लहसुन में एंटीऑक्सिडेंट, एंटीबायोटिक और एंटिफंगल गुण मौजूद होते हैं, जो हमारे लीवर को साफ और स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। लिवर के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है गाजर गाजर को विटमिन ए का खजाना माना जाता है, जो लिवर की बीमारी को रोकता है। रोजाना गाजर के जूस का सेवन करने से लीवर की गर्मी और सूजन दूर होती है। इसके साथ ही गाजर में इनप्लांट फ्लेवोनॉयड्स और बीटा-कैरोटीन नामक तत्व भी पाए जाते हैं जो लीवर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। लीवर सिरोसिस की बीमारी में गाजर और पालक का रस मिलाकर पीने से बहुत लाभ होता है।

यह तो आप जानते ही होंगे कि हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन हमारे स्वास्थ्य के लिए कितना फायदेमंद होता है। हरी पत्तेदार सब्जियाँ हमारे खून में मौजूद विषैले पदार्थों को शरीर से बाहर निकालने में मदद करती हैं। इसके अलावा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करने से शरीर में भारी धातुओं का असर कम होता है और लिवर मजबूत बनता है।

स्वामी, प्रकाषक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साई क्रियेषन्स, आषा काम्पलक्े स, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एव ं पहला तल, निधि काम्पलेक्स, विकास नगर लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाषित।
RNI No.UPHIN/2015/6090 सम्पादक- विवेक श्रीवास्तव, फोन नं0- 8004949556, 7570901365 Email. info@theachievertimes.com किसी भी वाद विवाद का निस्तारण लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।

समाचार-पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टचार समाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।